RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-277 | जयपुर, रविवार, 05 अप्रैल 2026 | मूल्य-4 रूपये

एसयूवी ने भाई-बहन, भांजे को रौंदा, तीनों की मौत

अलवर

तेज रफ्तार एसयूवी कार भाई-बहन और भांजे को रौंदती हुई निकल गई। मां-बेटा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि इलाज के दौरान हॉस्पिटल में मामा की मौत हो गई। कार करीब डेढ़ सौ मीटर तक बाइक को घसीटती ले गई। घटना भरतपुर के गोपालगढ़ के पास शुक्रवार रात करीब 8 बजे हुई। हादसे के बाद मौके पर कार छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया। मृतकों में नजाकत अली (28), उसकी बहन मुस्सी (38) और भांजा मोनिस (15) शामिल हैं। नजाकत अली के जीजा इरफान ने बताया- नजाकत हरियाणा के नूंह जिले (रेहना गांव) का रहने वाला था। शुक्रवार रात करीब 8 बजे वह अपनी बहन मुस्सी को उसके ससुराल गोपालगढ़ के जोतरी गांव छोड़ने जा रहा था। उनके साथ नजाकत का भांजा मोनिस भी बाइक पर सवार था। तीनों अंधवाड़ी गांव के पास सड़क किनारे बाइक खड़ी कर उतरने ही वाले थे। तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार क्रेटा ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

भाजपा कार्यालय पर ग्रेनेड हमले का खुलासा पांच आरोपित गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने बीजेपी कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले मामले में पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड, एक .30 बोर जिगाना पिस्तौल और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह मॉड्यूल आईएसआई के समर्थन से संचालित हो रहा था और इसके विदेशी हैंडलर पुर्तगाल व जर्मनी में बैठे हुए थे। यह एक संगठित नेटवर्क था, जिसमें कई स्तरों पर काम करने वाले सदस्य और सबमॉड्यूल शामिल थे। इस हमले में शामिल दो मुख्य आरोपितों की पहचान भी कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पश्चिमी विक्षोभ से प्रदेश के 6 जिलों में बारिश के साथ गिरे ओले

झालावाड़ में गाड़ियों के शीशे टूटे, कोटा में आंधी से शिलान्यास कार्यक्रम का टेंट उड़ा

जयपुर

राजस्थान में शनिवार को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से दोपहर बाद मौसम बदला। इस दौरान कोटा, टोंक, बूंदी, झालावाड़, दौसा और श्रीगंगानगर में बारिश के साथ ओले गिरे। झालावाड़ में ओले गिरने के कारण गाड़ियों के शीशे टूट गए।

कोटा जिले के डिपरी में चंबल नदी पर बनने वाले पुल के शिलान्यास कार्यक्रम का टेंट उड़ गया। जिससे मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति हो गई। अचानक बदले मौसम से लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन फसलों को नुकसान हुआ है।

इससे पहले शुक्रवार को बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर में ओले भी गिरे। जयपुर शहर में शुक्रवार देर शाम आए अंधड़ के कारण अलग-अलग हादसों में 2 लोगों की मौत हो गई। मौसम के इस बदलाव से दिन के तापमान में गिरावट हुई है। बारिश के कारण मंडी और खेतों में फसलों को नुकसान हुआ है।

अभी नहीं थमेगा आंधी-बारिश का दौर

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- मौजूदा सिस्टम के असर से आज भी उदयपुर, अजमेर, कोटा, जयपुर, भरतपुर संभाग व शेखावाटी क्षेत्र के कुछ जिलों में तेज आंधी-बारिश व कहीं-कहीं ओले भी गिर सकते हैं। 5-6 अप्रैल को आंधी बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी देखने को मिलेगी। लेकिन 7 अप्रैल को एक और नया मजबूत सिस्टम सक्रिय होने से बारिश-आंधी की संभावना है।

झालावाड़ में ओले गिरे गाड़ियों के शीशे टूटे

झालावाड़ जिले के मनोहर थाना में शाम 7 बजे बारिश के साथ ओले गिरे। ओले गिरने से गाड़ियों के शीशे टूट गए। क्षेत्र के चांदपुर, गरबोलिया, कामखेड़ा, जावर, डांगीपुरा, और टोटीमीरा गांव में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है।

दौसा के लालसोट इलाके मे 15 मिनट तक गिरे ओले

दौसा जिले के लालसोट में शनिवार को शाम 4:30 बजे ओलावृष्टि हुई। कई ग्रामीण क्षेत्रों में 10 से 15 मिनट तक ओले गिरते रहे, जिससे फसलों को काफी नुकसान हुआ।

बूंदी में तेज आंधी के साथ जोरदार बारिश हुई। जिले के लाखेरी, नैनवां और इंद्रगढ़ समेते कई क्षेत्रों में ओले भी गिरे। कोटा के ग्रामीण इलाकों में भी मौसम बदला और तेज आंधी के साथ बारिश हुई। आवा, कनवास, देवली, माझी, खजूरी और मंडाना क्षेत्र में दोपहर बाद बिजली की गड़गड़ाहट के साथ तेज बारिश होने लगी।

बारिश-आंधी से रबी की फसलों को नुकसान

आमतौर पर मार्च के बाद पश्चिमी विक्षोभ कमजोर पड़ने लगते हैं, लेकिन इस बार 13 मार्च से लगातार सिस्टम सक्रिय हो रहे हैं। मार्च के अंत तक 5 और अप्रैल के पहले सप्ताह तक 6 सिस्टम सक्रिय हो चुके हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इतने कम अंतराल में लगातार सिस्टम बनना असामान्य है, जिससे मौसम का पैटर्न बदल गया है। इसका सीधा असर कृषि पर पड़ा है। राजस्थान के कई जिलों में सरसों, गेहूं और चने की फसल को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। मंडियों में खुले में रखी फसलें भी भीग गई हैं।

नासिक में कुएं में कार गिरी, 6 बच्चों समेत 9 मौते

नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है।

अधिकारी ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्राइवर को कुआं कैसे नहीं दिखा। उन्होंने आगे कहा, हम चश्मदीदों की तलाश कर रहे हैं और घटना के सीसीटीवी फुटेज चेक कर रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गईं। एनडीआरएफ की टीमों को भी राहत और बचाव कार्य के लिए बुलाया गया। स्थानीय लोगों की भारी भीड़ भी मौके पर जुट गई, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ दिक्कतें आईं। हालांकि कड़ी मशक्कत के बाद कुएं से कार और सभी शवों को बाहर निकाला गया।

फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह वाहन से नियंत्रण खोना माना जा रहा है।

हिमाचल में टूरिस्ट वाहन खाई में गिरा, 4 की मौत, 17 को रेस्क्यू किया गया

कुल्लू में हादसा, कई पर्यटक राजस्थान-दिल्ली के थे

पटलिकुहल (कुल्लू)

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में शनिवार रात करीब 9 बजे एक टूरिस्ट गाड़ी खाई में गिर गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 17 लोगों को रेस्क्यू किया गया। इनमें 4 घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी का बंजार अस्पताल में उपचार चल रहा है।

डिस्ट्रिक्ट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के अनुसार, टेम्पो ट्रैवलर में चंडीगढ़, राजस्थान और दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों के कुल 22 लोग सवार थे, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि लगातार बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई थी। इससे वाहन बंजार की ओर उतरते समय अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। पुलिस, फायर ब्रिगेड और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि सभी पर्यटक जिभी में ठहरे हुए थे और जलोरी पास से लौट रहे थे।

ट्रम्प का ईरान को अल्टीमेटम- 48 घंटे में होर्मुज खोलो

अब समय खत्म हो रहा, नहीं माने तो तबाह कर देंगे

बुशहर न्यूक्लियर साइट पर 4 बार हमला हुआ

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

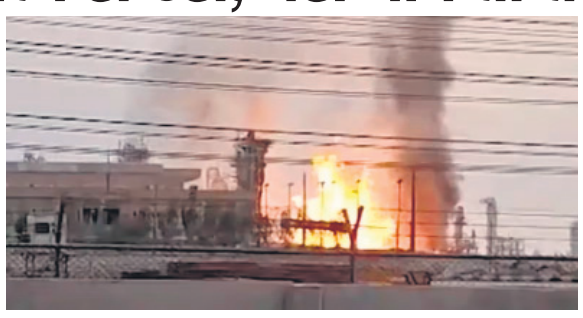

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर ईरान नहीं माना तो उसे तबाह कर दिया जाएगा। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि समय खत्म हो रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले उन्होंने ईरान को 10 दिन की मोहलत दी थी, लेकिन अब सिर्फ 48 घंटे बचे हैं। ट्रम्प अब तक होर्मुज खोलने के लिए ईरान को तीन बार अल्टीमेटम दे चुके हैं। उन्होंने कहा है कि ईरान अगर ऐसा नहीं करता है तो उसके ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और इजराइल ने बुशहर न्यूक्लियर साइट पर चार बार हमला किया है। उन्होंने कहा कि इन हमलों से न केवल ईरान बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि न्यूक्लियर साइट के पास हमले बेहद जोखिम भरे हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के जापोरिज्जिया न्यूक्लियर प्लांट को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो चिंता दिखाई जाती है, वैसी संवेदनशीलता बुशेहर के मामले में नहीं दिख रही है।

अराघची ने यह भी कहा कि पेट्रोकेमिकल ठिकानों पर हमले इस बात का संकेत हैं कि रणनीतिक ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे हमलों से पूरे खाड़ी क्षेत्र में अस्थिरता फैल सकती है।

फ्लैट में गर्लफ्रेंड के साथ ड्रग्स-फैक्ट्री चला रहा था तस्कर

जोधपुर

जोधपुर के पॉश इलाके में एक फ्लैट के अंदर ड्रग्स की फैक्ट्री पकड़ी गई है। इसी फ्लैट में मास्टरमाइंड अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रह रहा था।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (AGTF) की टीम शनिवार को फ्लैट का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। लेकिन मास्टरमाइंड अपने प्रेमिका के साथ फरार हो चुका था। टीम ने फ्लैट से 2 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की ड्रग्स, नशीली गोलियां और 1.1 किलो से ज्यादा हाई-ग्रेड केमिकल जब्त किया।

एडीसीपी अमृत जीनगर ने बताया कि 2 अप्रैल को AGTF ने बनाड़ थाना इलाके में कार्रवाई की थी। यहां से 3 किलो से ज्यादा MD ड्रग्स बरामद कर आरोपी गणपतराम विश्नोई को गिरफ्तार किया गया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह महज एक मोहरा है।

असली मास्टरमाइंड सांचौर का रहने वाला भरत विश्नोई उर्फ आसुराम उर्फ लक्की है। वह अपनी पहचान छुपाकर आशापूर्णा प्लेटिनम के फ्लैट नंबर A-803 में महिला के साथ रहता है और सफेद जहर तैयार कर रहा है।

कांग्रेस चाहती है खाड़ी देश भारत को दुश्मन समझें: मोदी

कहा - उन्हें नाराज करने वाले बयान दे रही, इससे वहां भारतीयों पर मुसीबत आ सकती है

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरलम के थिरुवल्ला में जनसभा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस चाहती है कि वेस्ट एशियाई देश भारत को अपना दुश्मन समझें। हम यहां कोई ऐसी गलती कर दें, कोई ऐसा बयान दे दें जिससे खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों को वहां से बाहर निकलने में मुसीबत आ जाए, इसलिए कांग्रेस खाड़ी देशों को नाराज करने वाले बयान दे रही है। कांग्रेस चाहती है कि पैनिक फैले और कांग्रेस को मोदी को गालियां देने का मौका मिले। मैं कांग्रेस, UDF, LDF के लोगों से कहना चाहता हूं कि राजनीति अपनी जगह पर है, चुनाव आते जाते रहेंगे लेकिन केरलम के लाखों भाई-बहन वहां हैं उनकी सुरक्षा मेरी प्राथमिकता है।

मोदी ने कहा- इस बार के चुनाव में केरलम में लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) की सरकार जाएगी और नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) की सरकार आएगी। मैं पहले भी केरलम आया हूं, लेकिन इस बार हवा का रुख कुछ अलग है। केरल एक ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है। इस बार सत्ता परिवर्तन होगा।

बीजेपी ने शनिवार को बंगाल में 5 उम्मीदवारों की पांचवीं लिस्ट जारी कर दी है। इसके अलावा तीन सीटों बशीरहाट उत्तर, बिष्णुपुर और बेहाला पुरबा पर उम्मीदवार भी बदल दिए गए हैं।

चुनाव आयोग ने भबानीपुर में सुवेंदु अधिकारी के नामांकन में लापरवाही को लेकर कोलकाता पुलिस के 4 अधिकारियों को सस्पेंड करने के आदेश दिए हैं।

जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेस-वे पर ट्रेलर में कार घुसी, एसआई की मौत

ड्राइवर को झपकी आने से हादसा, 2 कॉन्स्टेबल सहित तीन लोग घायल

दौसा। जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे ट्रेलर में पीछे से कार जा घुसी। हादसे में करौली के सपोटरा थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर हनुमान मीणा (55) की मौत हो गई, जबकि 2 कॉन्स्टेबल सहित तीन लोग घायल हैं। सभी घायलों को दौसा के जिला हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। हादसा शनिवार सुबह करीब 5 बजे जयपुर ग्रामीण के आंधी थाना क्षेत्र में नांगल बेला गांव के पास (चैनल नंबर 39) हुआ। पुलिस ने आशंका जताई कि सुबह-सुबह कार ड्राइवर को झपकी आ गई होगी, जिसकी वजह से यह दुर्घटना हुई है।

घायल रामनरेश मीणा ने बताया- कार सवार एसआई हनुमान मीणा सवाईमाधोपुर के चकेरी कुंडेरा के रहने वाले थे। कार में हनुमान के साथ कजोड़ जाट, रामराज बैरवा और रामनरेश मीणा भी सवार थे। ये तीनों लोग घायल हुए हैं। कार ड्राइवर सुरक्षित है। कजोड़ जाट और रामराज बैरवा कॉन्स्टेबल हैं। इनकी भी तैनाती सपोटरा थाने में ही है।

चंबल पर 1880 मीटर लंबे पुल का शिलान्यास

बिरला बोले- बदलेगी हाड़ौती की तस्वीर

यह राजस्थान का सबसे लंबा ब्रिज

कोटा

जिले के गोठड़ा कलां और बूंदी जिले के चांदणा खुर्द के बीच चंबल नदी पर ढीपरी में बन रहे प्रदेश के सबसे लंबे ब्रिज का शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया. शनिवार को पुल का भूमि पूजन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला एवं कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किया. यह 1880 मीटर लंबा ब्रिज 256 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा.

ओम बिरला ने कहा कि इस ब्रिज के निर्माण से क्षेत्र की कनेक्टिविटी और विकास को नई गति मिलेगी. उन्होंने बताया कि यह परियोजना लंबे समय तक वन विभाग की आपत्तियों के कारण अटकी रही थी, जिसे अब दूर कर दिया गया है. चंबल क्षेत्र में करीब 30 किलोमीटर दायरे में कई पुलों का निर्माण किया जा रहा है. इनसे एरिया की कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव आएगा. झरेल पुल से सवाईमाधोपुर से संपर्क बेहतर होगा, जबकि शहनावदा और मध्यप्रदेश के पनवाड़ा के बीच पार्वती नदी पर नए हाईलेवल ब्रिज से सड़कों का जाल फैलेगा.

बिरला ने बताया कि ढीपरी पुल बनने के बाद दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे तक पहुंच आसान हो जाएगी. दिल्ली की दूरी मात्र 4 घंटे और उज्जैन महाकाल मंदिर तक पहुंच 3.30 घंटे रह जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि श्योपुर से दीगोद तक रेल कनेक्टिविटी का सर्वे पूरा हो चुका है और भविष्य में यह क्षेत्र रेल सेवा से भी जुड़ेगा. इस अवसर पर 45 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भी लोकार्पण और शिलान्यास हुआ, जिसमें सड़क, पेयजल, सामुदायिक भवन, शिक्षा आदि बुनियादी सुविधाएं शामिल हैं.

अलवर तक पहुंचेगा चंबल का पानी

कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हाड़ौती के साथ राजस्थान को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे ऐतिहासिक उपलब्धि है. उन्होंने राम जल सेतु परियोजना का जिक्र करते हुए बताया कि चंबल का पानी अब अलवर तक पहुंचेगा और 21 जिलों के किसानों को फायदा मिलेगा.

युवक की मौत, भीड़ ने बस को आग लगाई

जोधपुर में तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मारी

जोधपुर

जोधपुर में तेज रफ्तार लोक परिवहन बस ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर हालात बिगड़ गए। गुस्साए लोगों ने नारेबाजी की और बस को आग लगा दी, जिससे तनाव की स्थिति बन गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाया। अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात कर भीड़ को शांत किया। फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया। हादसा केरू क्षेत्र के लोरडी बस स्टैंड पर हुआ।

राजीव गांधी नगर थानाधिकारी रवींद्रपाल सिंह ने बताया- लोक परिवहन बस शनिवार को शाम करीब 4 बजे जोधपुर से जैसलमेर जा रही थी। बस की टक्कर से बाइक सवार राजूराम (35) पुत्र पुनाराम भील निवासी लोरडी देजगरा की मौत हो गई।

बस की रफ्तार तेज थी। बस स्टैंड क्षेत्र में ड्राइवर बस को कंट्रोल नहीं कर पाया और बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला और सड़क पर गिरने से उसकी मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और बस ड्राइवर के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। गुस्साई भीड़ ने कुछ ही देर में बस को आग के हवाले कर दिया।

आग लगने से बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाया। अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात कर भीड़ को शांत किया।

सीमा हैदर ने अपने 6वें बच्चे का नाम भारत रखा... महिलाओं के साथ किया कुंआ पूजन

नोएडा (एजेंसी)। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा हैदर ने अपने बेटे का नाम 'भारत' रख दिया है। गुरुवार को रबूपुरा स्थित घर पर बेटे का नामकरण हुआ। नामकरण संस्कार के पहले सीमा ने कुंआ पूजन किया। डीजे की धुन पर नाचती-गाती मोहल्ले की महिलाएं पूजन करने निकलीं। घर पर भी संगीत समारोह का आयोजन हुआ। इसके पहले रात में माता के जागरण का आयोजन किया गया था। सीमा ने कहा कि हिंदू धर्म बहुत खूबसूरत है। वे बहुत खुश हैं। उन्हें हिंदू होने पर गर्व है। सीमा हैदर ने कहा कि मैं क्रिकेट मैच में भारत को सपोर्ट करती हूं। भारत जब मैच जीतता है, तब मुझे खुशी होती है। मैच के दौरान भगवान से प्रार्थना करती हूं कि भारत की ही जीत हो। भारत के लोग बहुत ही अच्छे हैं। वापस पाकिस्तान नहीं जाना चाहती। हर समाज के लोग रबूपुरा में रहते हैं। मुझे प्यार करते हैं, सम्मान देते हैं। मुझे अपनी बहू मानते हैं। दरअसल, सीमा हैदर के छठवें बच्चे का नामकरण संस्कार हुआ। उन्होंने 18 फरवरी 2026 को नोएडा के एक अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया था। इससे पहले एक बेटी को भी जन्म दिया था। उसका नाम मीरा रखा था। सीमा के पाकिस्तानी पूर्व पति से चार बच्चे है। जबकि भारतीय पति सचिन मीणा से 2 बच्चे हैं। सीमा, पाकिस्तान छोड़कर चार साल पहले अपने प्रेमी सचिन के पास आ गई थी। यहां आकर उसने उससे शादी कर ली।

पटना में पीएमसीएच के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग... लाखों का सामना खाक

पटना (एजेंसी)। पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पीएमसीएच) के पैथोलॉजी विभाग में भीषण आग लगने से पूरे अस्पताल परिसर में हड़कंप मच गया। आग तेजी से फैलती हुई विभाग के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले गई, जिससे मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखकर सभी को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे किसी बड़े जानमाल के नुकसान से बचाव हो सका। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की 5-6 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। खबर लिखे जाने तक आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका था, हालांकि दमकलकर्मी लगातार आग पर नियंत्रण पाने में जुटे रहे। एहतियात के तौर पर अस्पताल परिसर को खाली करा लिया गया और प्रशासन व पुलिस की टीमें मौके पर तैनात रहीं। इस हादसे में पैथोलॉजी विभाग के लाखों रुपये के उपकरण, मशीनें और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, जिसकी पुष्टि अग्निशमन अधिकारी अजीत कुमार ने की है। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रशासन द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और आगे की जांच जारी है।

भारत में एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स का बढ़ता चलन, 40 लाख यूज़र्स के आंकड़े ने चौंकाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, जहाँ शादी को पारंपरिक रूप से एक पवित्र संस्था माना जाता रहा है, वहाँ अब रिश्तों की दुनिया में खामोश लेकिन बड़ा बदलाव दिख रहा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग एप के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देश में इसके यूजर्स की संख्या 40 लाख के पार पहुँच गई है। यह आँकड़ा शादी और वफादारी के प्रति बदलते सामाजिक दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करता है। आंकड़ों के मुताबिक, बेंगलुरु 18 प्रतिशत यूजर्स के साथ सूची में सबसे आगे है। इसके बाद हैदराबाद (17 प्रतिशत), दिल्ली (11 प्रतिशत), मुंबई (9 प्रतिशत) और पुणे (7 प्रतिशत) का स्थान है। खास बात यह है कि अब यह चलन केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि लखनऊ, सूरत, पटना और गुवाहाटी जैसे शहरों में भी तेजी से फैल रहा है। वर्ष 2024 में किए गए सर्वेक्षण में 25 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 1,503 शादीशुदा लोगों को शामिल किया गया। इसके नतीजे बताते हैं कि 60 प्रतिशत से अधिक लोग गैर-पारंपरिक रिश्तों जैसे ओपन रिलेशनशिप को लेकर पहले से अधिक खुले हो गए हैं। यह संकेत देता है कि पारंपरिक वैवाहिक ढांचे को लेकर सोच में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। जून 2025 के आंकड़ों के अनुसार, तमिलनाडु का कांचीपुरम जैसे शहर भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के प्रमुख केंद्रों में उभर रहे हैं। यूजर के हिसाब से 65 प्रतिशत पुरुष और 35 प्रतिशत महिलाएँ इन प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, महिलाओं की भागीदारी में पिछले दो वर्षों में 148 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औसतन, यूज़र्स रोजाना 1 से 1.5 घंटे इन एप पर बिताते हैं, जिसमें दोपहर 12 से 3 बजे और रात 10 बजे से आधी रात तक सबसे अधिक सक्रियता देखी जाती है।

कांग्रेस से हटकर वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया संकट से निपटने के लिए मोदी सरकार की सराहना की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पश्चिम एशिया में हाल के संकट पर एनडीए सरकार की नीति की सराहना कर परिपक्व और कुशल कूटनीति बता दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देकर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय एकता जरुरी है। कांग्रेस नेता शर्मा ने लिखा कि भारत की प्रतिक्रिया ने संभावित जोखिमों से बचाव किया और इस राष्ट्रीय सहमति एवं दृढ़ संकल्प पर आधारित होना चाहिए। मोदी सरकार ने इस अनिश्चित और अस्थिर परिस्थिति में राजनीतिक दलों को नीतिगत निर्णयों से अवगत कराने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है। शर्मा ने कहा कि यह राष्ट्रीय संवाद जारी रहना चाहिए और संकट के समाधान में परिपक्व प्रतिक्रिया समय की मांग करती है। उन्होंने भविष्यवाणी की कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण रुपये का अवमूल्यन हो सकता है, और इस गिरावट को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। कांग्रेस नेता शर्मा ने कहा कि युद्ध ने ऊर्जा, आर्थिक और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों को और बढ़ा दिया है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता और रुपये तथा अन्य मुद्राओं के अवमूल्यन से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों से निपटना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संकट की गंभीरता को पूरी तरह समझना होगा और नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यवस्था और वैश्विक संकट प्रबंधन तंत्र के पतन पर विश्व मूकदर्शक नहीं बन सकता।

डीएमके के गढ़ में चुनौती देकर खुद को राज्य की राजनीति में मुख्य प्रतिद्वंद्वी बना रहे थलापति

बीते कई सालों से चेन्नई की 16 सीटें डीएमके की गढ़ रही

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नया तूफ़ान उठ खड़ा हुआ है। सुपरस्टार थलापति विजय ने फ़रवरी 2024 में अपनी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) लांच की और विधानसभा चुनावों में चेन्नई को अपने अभियान का केंद्र बनाया है। चेन्नई का हर जिला लंबे समय से डीएमके का गढ़ रहा है, और यहाँ की 16 सीटें सत्ताधारी दल के कब्जे में रही हैं। विजय ने अपनी राजनीतिक रणनीति में दो सीटों से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, तिरुचिरापल्ली (पूर्व) और पेरम्बूर। जहां तिरुचिरापल्ली उनके लिए सुरक्षित विकल्प है, वहीं पेरम्बूर सीट का महत्व इसलिए है क्योंकि यह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के कोलाथुर क्षेत्र से करीब है। पेरम्बूर से चुनाव लड़कर विजय सीधे डीएमके के मुखिया के सामने चुनौती पेश कर रहे हैं और खुद को उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में बता रहे हैं।

विजय की रणनीति केवल व्यक्तिगत चुनौती तक सीमित नहीं है। चेन्नई में टीवीके के अन्य मजबूत उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में हैं। महासचिव एन आनंद टी नगर से, आधव अर्जुना विल्लिवक्कम से, उप-महासचिव के राजमोहन एग्मोर से और एआईएडीएमके के पूर्व विधायक बीएस बाबू को कोलाथुर से उतारा गया है। बाबू का मुकाबला सीधे मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। इन उम्मीदवारों के माध्यम से टीवीके चेन्नई के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में अपनी पहचान मजबूत करना चाहती है।

चेन्नई पर विजय का फोकस डीएमके के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। डीएमके का यह गढ़ सालों से सुरक्षित माना जाता रहा है और एमजीआर या जयललिता जैसी दिग्गज हस्तियों ने भी चेन्नई में डीएमके को पूरी तरह से मात नहीं दी थी। एमजीआर ने तमिलनाडु में लगातार तीन चुनाव जीतकर राज्य में अपना दबदबा बनाया था, लेकिन चेन्नई में डीएमके पर पूर्ण नियंत्रण नहीं कर सके। जयललिता की लगातार दस साल की कोशिशों ने 2006 और 2011 में डीएमके के गढ़ को कुछ हद तक कमजोर किया था, लेकिन 2016 में डीएमके ने अपना दबदबा फिर से मजबूत किया और 2021 के विधानसभा चुनावों में डीएमके गठबंधन ने चेन्नई की सभी 16 सीटें जीत लीं।

विजय का चेन्नई पर ध्यान सिर्फ़ डीएमके की सत्ता को चुनौती देने तक सीमित नहीं है। यह एआईएडीएमके को भी हाशिये पर करने की रणनीति है। एआईएडीएमके ने भाजपा के साथ गठबंधन किया है, वहीं डीएमके ने कांग्रेस को अपने साथ जोड़कर चुनावी तैयारी की है। विजय का उद्देश्य यह दिखाना है कि उनकी पार्टी केवल नए विकल्प के रूप में नहीं है, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक मुख्य विपक्षी दल के रूप में स्थापित हो सकती है। इसके लिए उन्होंने अपने प्रसिद्ध चेहरे और युवा समर्थकों को मैदान में उतारा है।

पेरम्बूर सीट का चुनाव विजय के राजनीतिक उदय का प्रतीक है। यह विधानसभा क्षेत्र सीधे डीएमके के वर्तमान विधायक आरडी शेखर के इलाके से लगता है, और यहां से विजय का मुकाबला मुख्यमंत्री स्टालिन से होगा। यह सीट विजय को डीएमके के गढ़ में अपनी ताकत दिखाने और सीधे मुकाबला करने का अवसर देती है। यह रणनीति उन्हें तमिलनाडु में करिश्माई और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकती है।

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं पीएम मोदी का धन्यवाद करता हूं : चिराग पासवान

-उम्मीद करता हूं कि विपक्ष भी महिलाओं से जुड़े इस बिल का समर्थन करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन के संबंध में विशेष संसदीय सत्र बुलाने के एनडीए सरकार के फैसले की सराहना कर कहा कि लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास), ने हमेशा इसतरह के मुद्दे को बहुत महत्व दिया है। केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि महिलाएं इसकी मांग करती रही हैं और हमारी पार्टी ने लगातार इस मांग का समर्थन किया है, हमारे दिवंगत नेता राम विलास पासवान जी के समय से ही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाए जाने पर मैं प्रधानमंत्री मोदी जी को धन्यवाद देता हूं और आशा करता हूं कि विपक्ष भी इस बिल का समर्थन करेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मोदी सरकार अप्रैल के तीसरे सप्ताह में संसद का बजट सत्र पुनः बुलाने की तैयारी में है, ताकि लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने का प्रस्ताव करने वाला संशोधन विधेयक पेश किया जा सके। जिसमें महिलाओं के लिए 273 सीटें आरक्षित रहेगी। एजेंडा में 2023 के नारी शक्ति वंदना अधिनियम में संशोधन और परिसीमन आयोग विधेयक को पेश करना भी शामिल हो सकता है। केंद्र सरकार परिसीमन और सीट पुनर्वितरण के लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाना चाहती है।

इजरायल यात्रा के दौरान सैन्य कार्रवाई को लेकर पीएम मोदी की नहीं हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया इजरायल यात्रा को लेकर संसद में उठे सवालों के बीच सरकार ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। राज्यसभा में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के सांसद अब्दुल वहाब द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने उन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि भारत को ईरान पर होने वाले सैन्य हमले की पहले से जानकारी थी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने सदन में लिखित जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री की 25-26 फरवरी की इजरायल यात्रा के दौरान ऐसी किसी सैन्य कार्रवाई या हमले को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई थी।

सांसद अब्दुल वहाब ने विदेश मंत्रालय से प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान हुए समझौतों का ब्यौरा मांगा था और साथ ही यह भी पूछा था कि क्या सरकार को यात्रा के अगले ही दिन ईरान पर होने वाले अमेरिकी और इजरायली हमलों का पूर्वानुमान था। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि इजरायल के प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर की गई इस राजकीय यात्रा का मुख्य उद्देश्य द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था। इस दौरान दोनों देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, कृषि, मत्स्य पालन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और डिजिटल भुगतान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा संपन्न होने के ठीक बाद 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान के भीतर कई ठिकानों पर बड़े हमले किए थे, जिससे पश्चिम एशिया में तनाव चरम पर पहुंच गया। इस संयोग के कारण यह सवाल उठने लगे थे कि क्या रणनीतिक साझेदारी के चलते भारत को इसकी पूर्व सूचना दी गई थी। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ-साथ इजरायल ने भी इन दावों को गलत बताया है। इजरायली विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी स्पष्ट किया कि ईरान पर हमले का निर्णय प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के बाद शनिवार तड़के लिया गया था, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही वार्ता गुरुवार को विफल हो गई थी। सरकार ने दोहराया है कि भारत के इजरायल के साथ संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों और आर्थिक प्रगति के साझा एजेंडे पर आधारित हैं। 2026 के लिए दोनों देशों ने आपसी सहयोग को और गहरा करने का एक व्यापक खाका तैयार किया है। फिलहाल, पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत ने साफ कर दिया है कि उसका ध्यान क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय विकास पर केंद्रित है, न कि किसी सैन्य अभियान की पूर्व जानकारी या भागीदारी पर।

क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे

-एनसीपी के विधायक के बीजेपी में जाने का राउत ने फोड़ा बम, बीजेपी ने किया पलटवार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में ऑपरेशन टाइगर की आहट और शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के मंत्री की डिनर डिप्लोमेसी के बीच संजय राउत ने दावा किया था कि राज्य की सियासत में जल्द भूचाल आएगा। राउत ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि आगामी दिनों में शिंदे गुट और एनसीपी (अजीत गुट) के 25 से 30 विधायक बीजेपी में शामिल हो जाएंगे। बीजेपी ने संजय राउत के बयान पर पलटवार किया है। इसमें बीजेपी ने उन्हें यूबीटी पर फोकस करने की नसीहत दी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत के इस बयान पर बीजेपी ने शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सदस्य संजय राउत पर हमला बोलते हुए पूछा है कि क्या वह विश्वस्तर के बाबा वेंगा हो गए हैं, जो इस तरह की भविष्यवाणी कर रहे हैं। दरअसल सांसद संजय राउत अपने फायरब्रांड अंदाज के लिए जाने जाते हैं। हाल ही उनकी एक किताब रिलीज हुई थी। इसमें उन्होंने अरविंद केजरीवाल समेत कपिल सिब्बल को बुलाया था। उन्होंने इस किताब में भी कई धमाके किए हैं, हालांकि ताजा भविष्यवाणी पर बीजेपी ने राउत को घेरा। बीजेपी ने कहा कि भोंदूबाबा खरात जैसे लोगों को ठगते थे, वैसे ही संजूबाबा राउत भविष्यवाणी के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बीजेपी में कौन सा दल विलय होगा या कौन कहां जाएगा, इस पर बोलने के बजाय अपने गुट पर ध्यान दें।

नवनाथ बन ने कहा कि संजय राउत चाहते हैं कि उद्धव ठाकरे विधानमंडल में जाएं, लेकिन वे वास्तव में जाएंगे या नहीं, यह कांग्रेस तय करेगी। कांग्रेस की कृपा होगी तभी उद्धव ठाकरे को विधायकी मिलेगी। यूबीटी अस्तित्व में आने से पहले शिवसेना बीजेपी के साथ थी, तब स्वाभिमान और सम्मान था, लेकिन अब आपने अपना स्वाभिमान कांग्रेस के पास गिरवी रख दिया है। विधायकी के लिए सोनिया गांधी के सामने जाकर मुजरा करना पड़ेगा। बन ने कहा था कि देवेंद्र फडणवीस ने क्या बोलना चाहिए, यह बताने के चक्कर में राउत को नहीं पड़ना चाहिए। यूबीटी गुट कांग्रेस में विलय होने वाला है और इसकी जिम्मेदारी संजय राउत ने ली है, ऐसा आरोप भी उन्होंने लगाया।

ममता की बढ़ेगी चिंता... भाईजान औवेसी ने बंगाल चुनाव में उतार दिए 12 प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने शुक्रवार को आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए अपने 12 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है। औवेसी की पार्टी ने रघुनाथगंज से इमरान सोआंकी, आसनसोल उत्तर से दानिश अजीज, कंडी से मिस्बाहुल इस्लाम खान, सुजापुर से रेजाउल करीम और मोथाबारी से एडवोकेट मोहम्मद मुस्तहिद हक को चुनावी मैदान में उतारा है। नलहाटी से हाजी अंसार एसके साहब और मोरारी से तासीर एसके साहब को अपना प्रत्याशी बनाया है। बारासात से एआईएमआईएम ने मोनाएम सरदार को और करांडीघी से महबूब आलम को उम्मीदवार बनाया है। सूती से असदुल एसके, बसीरहाट दक्षिण से शबाना परवीन और हबरा से आसिक राज ममोंडल को मनोनीत किया गया है। बात दें कि एआईएमआईएम, तृणमूल कांग्रेस के पूर्व नेता हुमायूं कबीर द्वारा गठित आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ रही है। एआईएमआईएम-एजेयूपी गठबंधन से मुस्लिम बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हिस्सेदारी पर असर पड़ने की उम्मीद है। आगामी चुनाव को मुख्य रूप से सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा है।

गर्मी के बीच मौसम का यू-टर्न: उत्तर भारत में ओलावृष्टि और भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जहां एक ओर गर्मी ने दस्तक दे दी है, वहीं दूसरी ओर कुदरत के बदलते मिजाज ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शुक्रवार को ताजा पूर्वानुमान जारी करते हुए देश के बड़े हिस्से में बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। इस मौसमी बदलाव का सबसे ज्यादा असर उत्तर-पश्चिम भारत के राज्यों में देखने को मिल रहा है, जहां आने वाले दिनों में मौसम काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाला है।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्यों में 3 से 8 अप्रैल के बीच झमाझम बारिश के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मैदानी इलाकों की बात करें तो पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी अगले कुछ दिनों तक बादल बरसने के आसार हैं। दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 7 और 8 अप्रैल को हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद के ऊंचाई वाले इलाकों में इस दौरान बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का दौर जारी रहेगा।

ओलावृष्टि को लेकर जारी चेतावनी खेती-किसानी के नजरिए से चिंताजनक है। मौसम विभाग ने बताया है कि 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ हिस्सों में ओले गिर सकते हैं। इसके अलावा उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भी 4 और 5 अप्रैल को ओलावृष्टि की प्रबल संभावना है। दक्षिण और मध्य भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्यों में भी बादलों का डेरा रहेगा। मध्य प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को ओले गिरने की संभावना है, जबकि छत्तीसगढ़ में 4 अप्रैल को मौसम बिगड़ सकता है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में भी अगले 5 दिनों तक बारिश का दौर बना रहेगा। पूर्वोत्तर की ओर नजर डालें तो असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और गुजरात के कुछ हिस्सों में भी छिटपुट बारिश की उम्मीद जताई गई है। गर्मी के इस मौसम में अचानक हुई इस बेमौसमी बरसात और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान में गिरावट दर्ज की है, बल्कि फसलों के लिए भी संकट पैदा कर दिया है।

चुनाव परिणाम के बाद हिंसा रोकने के लिए चुनाव आयोग ने उठाया कदम

बंगाल में तैनात रहेंगी केंद्रीय पुलिस बल की 500 कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस बीच चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लिया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की कि बंगाल में वोटिंग पूरी होने के बाद भी कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवान तैनात रहेंगे। एक प्रेस नोट में चुनाव आयोग ने कहा कि सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए अगले निर्देश जारी होने तक राज्य में रहेंगी।

चुनाव आयोग ने ये कदम चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतगणना पूरी होने के बाद भी अगले आदेश तक सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 500 कंपनियां चुनाव के बाद कानून और व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पश्चिम बंगाल में तैनात रहेंगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने खास तौर पर चुनाव के इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियों को बनाए रखने का भी फैसला किया है। इन फोर्स को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, स्ट्रॉन्ग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा का काम सौंपा जाएगा, और ये काउंटिंग प्रोसेस पूरी तरह से पूरा होने तक वहीं रहेंगी। बयान में आगे कहा गया, ईवीएम/स्ट्रांग रूम और काउंटिंग सेंटर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स की 200 कंपनियां राज्य में रहेंगी और राज्य में काउंटिंग पूरी होने तक तैनात रहेंगी।

उम्र के आधार पर तय होगा नाबालिग सोशल मीडिया पर सक्रिए रहेंगे या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार बच्चों और किशोरों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल और उससे जुड़े जोखिमों को देखते हुए नए दिशा-निर्देश तैयार करने पर विचार कर रही है। सरकार का उद्देश्य सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय एक ऐसा संतुलित मॉडल विकसित करना है, जिसमें उम्र के आधार पर अलग-अलग स्तर की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इस महत्वपूर्ण विषय पर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ गहन चर्चा का दौर जारी है।

प्रस्तावित नियमों के तहत मुख्य रूप से पेरेंटल कंट्रोल यानी अभिभावकों के नियंत्रण को मजबूत करने, स्क्रीन टाइम की एक निश्चित सीमा तय करने और कुछ संवेदनशील फीचर्स पर रोक लगाने जैसे सुझावों पर ध्यान दिया जा रहा है। वर्तमान में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उम्र की जांच के पुख्ता इंतजाम न होने के कारण बच्चे गलत जानकारी देकर आसानी से अकाउंट बना लेते हैं, जिसे रोकने के लिए सरकार अब अधिक प्रभावी और तकनीकी रूप से उन्नत पहचान प्रणालियों पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी यह तय होना बाकी है कि न्यूनतम उम्र सीमा 13 वर्ष रखी जाए या इसे बढ़ाकर 16 वर्ष किया जाए। इस योजना के क्रियान्वयन में सबसे बड़ी चुनौती ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच देखी जा रही है, जहां अक्सर एक ही मोबाइल फोन पूरे परिवार द्वारा साझा किया जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता की सटीक उम्र की पहचान करना और नियमों को कड़ाई से लागू करना काफी जटिल होगा। साथ ही, यदि उम्र सीमा 16 या 18 वर्ष तय की जाती है, तो डिजिटल पहुंच सीमित होने और गोपनीयता (प्राइवेसी) से जुड़े नए कानूनी सवाल भी खड़े हो सकते हैं। सरकार का प्राथमिक लक्ष्य बच्चों को ऑनलाइन उपलब्ध हानिकारक सामग्री और साइबर खतरों से सुरक्षित रखना है। इसके लिए आईटी नियमों में आवश्यक संशोधन किए जा सकते हैं ताकि प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय की जा सके। फिलहाल, सभी संबंधित पक्षों से राय ली जा रही है और एक व्यापक विचार-विमर्श के बाद ही इस दिशा में अंतिम निर्णय लिया जाएगा, ताकि डिजिटल सुरक्षा और सूचना तक पहुंच के बीच एक सही संतुलन बना रहे।

मोबाइल टावर लगाने का झांसा देकर लाखो की ठगी करने वाला ठगबाज आसाम से गिरफ्तार

जंगल में दो दिन तक कैंप लगाया, डिजिटल और तकनीक सहायता लेकर आरोपी को दबोचा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा की करेड़ा पुलिस ने उस शातिर ठगबाज को गिरफ्तार किया है जो लोगों को मोबाइल टावर लगाने का झांसा देकर लाखो रु एठ लेता था । पुलिस ने इस मामले में कार्यवाही करते हुए गिरोह के सदस्य को आसाम राज्य से गिरफ्तार किया है । पुलिस ने आरोपी दीपू बोरगोहैन को गिरफ्तार किया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह भीलवाडा के आदेश पर साईबर ठगी के तहत चलाये गए विशेष अभियान व अपराधियों की धरपकड़ हेतु बुद्धराज अति. पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन व ओमप्रकाश सोलंकी वृत्ताधिकारी वृत आसीन्द के निकटतम सुपरविजन करेड़ा थाना प्रभारी पुरणमल के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। दिनांक 11.02.2025 को प्रार्थी पारसमल पिता गोरधन लाल जाति गुर्जर उम्र बालिग निवासी सिंजाडी का बाडिया (चिताम्बा) पुलिस थाना करेडा ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति का फोन आया जिसने मुझसे कहा की में एयरटेल कम्पनी से बोल रहा हुँ हमे तुम्हारे खेत पर एयरटेल मोबाईल कम्पनी का टावर लगाना है तथा उक्त टावर की चौकीदारी की नौकरी भी हम तुम्हे ही दे देंगे और तुम्हे 12,000/- रूपये महिने की तनख्वाह देगें और तुम्हारी उक्त जमीन का महिने का 18000/- किराया भी देगे, ऐसे कुल मिलाकर 30,000/- रूपये महिने के देगें इस प्रकार उक्त अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी को बहला फुसलाकर झांसे में लेकर कुल 1278000/रूपये की धोखाधड़ी की । उक्त घटना पर प्रकरण दर्ज किया और गठित पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण, कॉल डिटेल रिकॉर्ड एवं ट्रैकिंग के आधार पर आरोपी की लोकेशन आसाम के अलग-अलग जिलों में चिन्हित की गई। इसके उपरांत गठित टीम द्वारा उक्त क्षेत्र में अथक प्रयास करते हुए, क्षेत्र के साइबर हॉटस्पॉट होने तथा जंगल/खेतों में छिपकर ठगी करने की प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए दो दिन तक जंगल क्षेत्र में कैंप कर सतत एवं सघन तलाशी अभियान चलाया गया। स्थानीय पुलिस थाना टेंगाखाट के सहयोग से कार्रवाई करते हुए आरोपी दिपु को विधिवत डिटेन किया और गिरफ्तार किया गया।

काम शुरू... फिर छोड़ दिया! सड़क बनी हादसों का अड्डा

शारदा चौराहे से 200 फीट रोड तक खुदी सड़क, महीनों से बंद पड़ा डिवाइडर निर्माण

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

शहर में शारदा चौराहे से 200 फीट रोड के बीच डिवाइडर निर्माण का कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा है। सड़क को बीच से खोदकर डिवाइडर बनाने का काम शुरू किया गया था, लेकिन महीनों से कार्य बंद होने के कारण सड़क बदहाल स्थिति में पहुंच गई है। इस कारण यह मार्ग अब हादसों का कारण बनता जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर मिट्टी, गड्ढे और खुदाई के कारण रोजाना वाहन चालक परेशान हैं। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह रास्ता बेहद खतरनाक हो गया है।

आज इसी मार्ग पर तेज रफ्तार से आ रही एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर तीन गोवंशों को टक्कर मारने वाली थी, लेकिन बाल-बाल बचाव हो गया और बड़ा हादसा टल गया। लोगों का कहना है कि यदि वाहन थोड़ा भी फिसल जाता तो गंभीर दुर्घटना हो सकती थी।

रात के समय सड़क पर बैरिकेड, चेतावनी बोर्ड और पर्याप्त लाइटिंग नहीं होने से दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। धूल उड़ने से आसपास के दुकानदार और कॉलोनीवासी भी परेशान हैं।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि निर्माण कार्य तुरंत शुरू कर जल्द पूरा कराया जाए, साथ ही मौके पर रेडियम बोर्ड, बैरिकेड, स्ट्रीट लाइट और स्पीड ब्रेकर लगाए जाएं, ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो।

युवक ने किया विषाक्त पदार्थ का सेवन, इलाज के दौरान तोड़ा दम

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। सुभाष नगर थाना क्षेत्र के सांगानेर में एक युवक की विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से मौत हो गई।पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर जांच शुरू की । सुभाष नगर थाना पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के सांगानेर निवासी कृष्ण टेलर पिता रतन लाल टेलर उम्र 35 वर्ष ने दिनांक 2 अप्रैल शाम को अज्ञात कारणों के चलते किसी अज्ञात विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया । युवक की तबियत बिगड़ने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई फिर परिजन तुरंत उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाए।जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया शुक्रवार रात्रि उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया था। थाना पुलिस ने शनिवार दोपहर जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों कि मौजूदगी में मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुलिस का कहना है कि युवक ने किन कारणों के चलते यह कदम उठाया है फिलहाल इसके वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आए है।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क किनारे लगाए जा रहे बिजली पोल, नियमों की अनदेखी से बढ़ा खतरा

स्मार्ट हलचल

खजूरी। खजूरी से शकरगढ़ तक निर्माणाधीन बिजली लाइन कार्य इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। बिजली विभाग द्वारा ठेकेदार के माध्यम से लगाए जा रहे पोल सड़क के बिल्कुल किनारे, कई स्थानों पर सड़क सीमा के अंदर तक स्थापित कर दिए गए हैं, जिससे न केवल नियमों की अनदेखी हो रही है बल्कि आमजन की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सड़क को हो रहा नुकसान, हादसे का खतरा

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार पोल लगाने के दौरान भारी मशीनों और लापरवाहीपूर्ण कार्यशैली के कारण सड़क कई जगह से टूटने लगी है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।

नियम क्या कहते हैं?

विशेषज्ञों के अनुसारः बिजली विभाग को लाइन बिछाने का अधिकार जरूर है, लेकिन सार्वजनिक सुरक्षा और निर्धारित मानकों का पालन अनिवार्य है। नियमों के मुताबिक सड़क किनारे किसी भी स्थायी संरचना को सुरक्षित दूरी से बाहर स्थापित करना जरूरी होता है।

ग्रामीणों ने उठाई आवाज

ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा जल्दबाजी और लापरवाही में कार्य किया जा रहा है, जिससे सरकारी संपत्ति (सड़क) को नुकसान पहुंच रहा है।

पीडब्ल्यूडी के सहायक अभियंता बने सिंह ने बताया कि उन्हें इस मामले की जानकारी मिली है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि बिजली विभाग के ठेकेदार द्वारा नियमों के विरुद्ध पोल लगाए जा रहे हैं, तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि नियमों के खिलाफ लगाए गए पोलों को हटाकर उचित दूरी पर पुनः स्थापित कराया जाएगा।

मातृ एवं शिशु अस्पताल से मोबाइल चोरी, दो संदिग्ध गिरफ्तार, एक फरार

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर के जिला अस्पताल के मातृ एवं शिशु अस्पताल इकाई में शनिवार दोपहर मोबाइल चोरी की घटना सामने आई। वार्ड नंबर 180 में एक बुजुर्ग महिला का मोबाइल चोरी होने की सूचना मिलते ही होमगार्ड कर्मी तुरंत सक्रिय हो गए। सूचना पर उमेश सिंह, बंशी लाल और ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे। वहां तीन युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिए। होमगार्ड ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो तीनों भागने लगे। इस दौरान घेराबंदी कर दो युवकों को पकड़ लिया गया, जबकि उनका एक साथी फरार होने में सफल रहा।

कड़ी पूछताछ में पकड़े गए युवकों ने स्वीकार किया कि मोबाइल उन्होंने ही चोरी किया था और उसे उनका फरार साथी लेकर भाग गया। होमगार्ड कर्मियों ने दोनों संदिग्धों को पकड़कर भीमगंज थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। इधर, जिला अस्पताल और मातृ एवं शिशु इकाई में लगातार बढ़ रही मोबाइल चोरी की घटनाओं से मरीजों व उनके परिजनों में दहशत का माहौल बना हुआ है। आमजन ने अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

भीलवाड़ा में 'गारनेट बंदी राज'—क्या संगठित वसूली गिरोह सिस्टम की नजरों में ही चलता रहा, और अब क्या पूरी परतें खुलेंगी?

स्मार्ट हलचल | भैरू चौधरी

कोटड़ी । भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी थाने में दर्ज एफआईआर ने अवैध गारनेट खनन के नाम पर चल रहे एक संगठित 'बंदी राज' का ऐसा खुलासा किया है, जिसने पूरे सिस्टम पर सवालिया निशान खड़ा कर दिया है—क्या खनन करने वालों से प्रति मशीन ₹30-30 हजार की मासिक वसूली का यह खेल अचानक शुरू हुआ, या लंबे समय से चलता रहा और जिम्मेदार तंत्र की नजरों से बचता रहा?

एफआईआर के अनुसार अजय पांचाल, नंदसिंह उर्फ पिन्टू सिंह, नारायण गुर्जर और कालू गुर्जर ने मिलकर एक संगठित गिरोह बनाया और गारनेट का काम करने वालों को डरा-धमकाकर 'बंदी' देने के लिए मजबूर किया। यह भी सामने आया कि कई लोगों से यह रकम वसूली जा चुकी है, जबकि अन्य को लगातार धमकाकर पैसे लेने के प्रयास जारी थे—यानी यह कोई एक-दो दिन का नहीं बल्कि व्यवस्थित तरीके से चल रहा नेटवर्क था।स्रढ्ढ में जिन लोगों से पैसे वसूले जाने का जिक्र है, उनमें शंकर लाल गुर्जर, राजू वैष्णव, चैन सिंह, सोहन जाट, धन्ना लाल गुर्जर, विजय गुर्जर, कालू गुर्जर, रामचन्द्र गुर्जर, देवकिशन गुर्जर, छोटू लाल गुर्जर सहित 15-20 अन्य लोग शामिल हैं—जो यह संकेत देता है कि यह गिरोह व्यापक स्तर पर सक्रिय था और बड़ी संख्या में लोगों को अपने जाल में ले चुका था।सबसे अहम और चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे मामले की जानकारी बीट कांस्टेबल और आसूचना अधिकारी के जरिए सामने आई और मुखबिर से भी इसकी पुष्टि हुई—तो क्या यह मान लिया जाए कि सिस्टम को इसकी भनक थी? अगर हां, तो सवाल उठता है कि कोटड़ी व पारोली थानों के थाना अधिकारी, बिट प्रभारी और आसूचना तंत्र इस पूरे 'बंदी राज' से पूरी तरह अनभिज्ञ थे या फिर कहीं न कहीं चूक, लापरवाही या मौन सहमति के कारण यह नेटवर्क चलता रहा?हालांकि, जैसे ही मामला जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव तक पहुंचा, उन्होंने बिना देर किए ष्ठस्' (स्पेशल टीम) को सक्रिय किया और त्वरित कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को धर दबोचा। यह कार्रवाई यह जरूर दर्शाती है कि सख्त नेतृत्व में समय रहते माफिया तंत्र पर लगाम लगाई जा सकती है—लेकिन यह सवाल भी छोड़ जाती है कि क्या यह कार्रवाई पहले हो सकती थी?अब पूरे मामले में नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या जांच सिर्फ इन चार नामों तक सीमित रह जाएगी या उस पूरे नेटवर्क तक पहुंचेगी, जिसने गारनेट के नाम पर 'बंदी राज' कायम कर रखा था? क्या कोई बड़ा चेहरा अब भी पर्दे के पीछे है, या आने वाले दिनों में और नाम सामने आएंगे?

गोपालपुरा स्कूल में पांच दिन बाद फिर ताले टूटे, गैस सिलेंडर चोरी की वारदात

स्मार्ट हलचल | बिजौलियां

गोपालपुरा हायर सेकण्डरी स्कूल में पांच दिन पहले 29 मार्च को दो गैस सिलेंडर चोरी के बाद एक बार फिर चोरों ने ताला तोड़कर गैस की भरी टंकी चुरा ली। हैरानी की बात है कि पिछली बार की तरह इस बार भी चोर खाली टंकी नहीं ले जाकर भरी टंकी उठा ले गए। इससे यह स्पष्ट होता है कि चोरों का मकसद गैस भरी टंकियां उठाने का ही था। प्रधानाचार्य कमलेश कुमार भील ने बताया कि विद्यालय ने गुड फ्राइडे का अवकाश चलते बंद था। पिछली बार भी 29 मार्च को अवकाश का मौका देखकर चोर खाली टंकियों को छोड़कर दो भरी गैस टंकियां उठा ले गए। चोरी की वारदात भी उसी तरीके की थी। सरिये से ताले और कुंदी तोड़ी गई। पिछली बार की तरह सरिया भी मौके पर छोड़ गये। दो टंकियां चोरी होने के बाद स्टाफ ने पास के इन्द्रपुरा स्कूल से टंकी मंगाकर विद्यार्थियों के लिए पोषाहार बनवाया था।

क्षेत्र में गैस टंकियां चुराने की वारदातें बढ़ने के बावजूद भी पुलिस के सक्रिय नहीं होने से चोरों के हौंसले बुलंद हैं।

शिक्षकों का कहना है कि अधिकांश विद्यालय आबादी क्षेत्र से दूर होने से चोरी की घटनाएं बढ़ रही है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा रद्द

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने शनिवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को पूरी तरह रद्द कर दिया है। अदालत ने 28 अगस्त 2025 के एकलपीठ के फैसले को सही मानते हुए 68 से अधिक ट्रेनी एसआई और दलालों की गिरफ्तारी के बाद पेपर लीक और बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के चलते यह कदम उठाया। 2021 की सब इंस्पेक्टर भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से रद्द हो गई है। परीक्षा में पेपर लीक, नकल और भारी धांधली की पुष्टि हुई, जिसके कारण 68 ट्रेनी एसआई (अभ्यर्थियों) सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस. पी. शर्मा की खंडपीठ ने एकलपीठ के फैसले को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार और चयनित अभ्यर्थियों की अपीलों को खारिज कर दिया। अब नई भर्ती प्रक्रिया और परीक्षा की शुचिता सुनिश्चित करना सरकार के लिए चुनौती है।

विश्व नवकार दिवस के आमंत्रण हेतु भव्य कलश यात्रा, निकला नगर भ्रमण

स्मार्ट हलचल

यज्ञपुर (जहाजपुर)। विश्व नवकार दिवस के उपलक्ष्य में जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा प्रदेशभर में निकाली जा रही कलश यात्रा के तहत आज प्रातः 9 बजे यात्रा यज्ञपुर पहुंची। सकल जैन समाज ने यात्रा का भव्य स्वागत करते हुए नगर भ्रमण करवाया।

यह कलश यात्रा नगर पालिका शाहपुरा रोड से प्रारंभ होकर बस स्टैंड, नया बाजार, सदर बाजार होते हुए नौ चौक में संपन्न हुई। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और पूरे नगर में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम में सकल जैन समाज के तारा चंद बम्ब, गुलाब जैन, महावीर जैन, लक्ष्मी लाल जैन, पारस जैन, सुनील जैन, संजय बम्ब, त्रिलोक चंद बम्ब, अशोक गोधा, बालकिशन जैन, विमल बाकलिवाल, भागचंद जैन, शांति लाल बाकलीवाल, विमल पोद्दार, राहुल बम्ब, सुरेश बाकलीवाल, धनराज जैन, भानु जैन, नवीन पोद्दार, ऋषभ बाकलीवाल, निरू गोधा सहित महिला मंडल की सक्रिय भागीदारी रही। उल्लेखनीय है कि 9 अप्रैल, गुरुवार को प्रातः 8 बजे से 9:30 बजे तक विश्वभर में शांति, कल्याण एवं सामंजस्य के लिए सामूहिक रूप से नवकार मंत्र का जाप किया जाएगा।

सांसद अग्रवाल व विधायक बैरवा की जोड़ी ने दी शाहपुरा को 18 करोड़ की सौगात

एमपी-एमएलए ने मिलकर 9 विकास कार्यों का किया शिलान्यास, विकास को मिली नई रफ्तार

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। क्षेत्र में विकास की रफ्तार को नई उड़ान देते हुए शनिवार को शाहपुरा को 18 करोड़ रुपये की बड़ी सौगात मिली। भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल और शाहपुरा विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने डाक बंगले में आयोजित समारोह में 9 महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को उत्साहपूर्ण बना दिया।

इस अवसर पर क्षेत्र में विकास को गति देने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया, जिनमें प्रमुख रूप सेकृ शाहपुरा में 11 करोड़ की लागत से ऑडिटोरियम निर्माण, 2 करोड़ से डाक बंगले के नवीन भवन का निर्माण, 4 करोड़ 16 लाख की लागत से बहुउद्देशीय पशु चिकित्सालय, विभिन्न विद्यालयों में कक्षा-कक्ष निर्माण, पीएसबी राजकीय महाविद्यालय में आईटीसी लैब एवं स्मार्ट क्लास रूम, वीर माता माणिक कंवर विद्यालय में टीन शेड तथा स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल में डोम निर्माण कार्य शामिल हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद दामोदर अग्रवाल ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि देश में विकास की धारा निरंतर बह रही है और शाहपुरा भी इस विकास यात्रा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और हर आवश्यक कार्य को प्राथमिकता से पूरा किया जाएगा।

विधायक डॉ. लालाराम बैरवा ने अपने संबोधन में कहा कि ये सभी विकास कार्य क्षेत्र के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं को इन परियोजनाओं से नई दिशा मिलेगी, जिससे आमजन का जीवन स्तर बेहतर होगा। विधायक ने यह भी कहा कि पिछले वर्षों में शाहपुरा में उल्लेखनीय विकास कार्य हुए हैं और आगे भी यह क्रम जारी रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाएं, ताकि आमजन सरकार की नीतियों और कार्यों से जुड़ सके।

समारोह में मौजूद जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने विकास कार्यों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से शाहपुरा की तस्वीर बदलेगी और क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। कार्यक्रम में भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र बोहरा, पूर्व पालिका अध्यक्ष कन्हैया लाल धाकड़, भाजपा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष, फुलिया कलाँ मंडल अध्यक्ष, साहित्यकार डा कैलाश मंडेला, रामप्रसाद पारीक सहित उपस्थित रहे।

डॉ. एस.एन. मोदानी हुए लीडरशिप लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

यह पुरस्कार उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, जिससे वे आगे भी उद्योग के लिए बेहतर कार्य करते रहेंगे: डॉ. एसएन मोदानी

एशियन टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस 2026 में मिला सम्मान, वैश्विक टेक्सटाइल उद्योग में योगदान को मिली बड़ी पहचान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के चेयरमैन एवं संगम ग्रुप के वाइस चेयरमैन डॉ. एसएन मोदानी को ग्लोबल टेक्सटाइल लीडरशिप लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने 13वें एशियन टेक्सटाइल कॉन्फ्रेंस के दौरान 2 अप्रैल को होटल नोवोटेल कन्वेंशन सेंटर हैदराबाद (तेलंगाना) में दिया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. मोदानी को यह सम्मान तुम्मला नागेश्वर राव (हैंडलूम्स एवं टेक्सटाइल मंत्री, तेलंगाना) एवं डी. श्रीधर बाबू (आईटी, इंडस्ट्री एवं कॉमर्स मंत्री, तेलंगाना) द्वारा प्रदान किया गया। डॉ. एस एन मोदानी को यह सम्मान टेक्सटाइल उद्योग के विकास, नवाचार एवं परिवर्तन में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, अग्रणी योगदान एवं आजीवन समर्पण के लिए प्रदान किया गया है। उनके मार्गदर्शन में भारतीय टेक्सटाइल उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिली है। इस उपलब्धि पर देश-विदेश के टेक्सटाइल जगत से जुड़े उद्योगपतियों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने डॉ. मोदानी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। सम्मेलन के दौरान डॉ. मोदानी ने पैनल चर्चा में भी भाग लिया और अपने विचार साझा किए। डॉ. मोदानी ने अपने संबोधन में इस सम्मान के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है, जिससे वे आगे भी उद्योग के लिए बेहतर कार्य करते रहेंगे। उन्होंने युवाओं को भी नेतृत्व क्षमता विकसित करने और समाज सेवा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मोदानी ने कहा कि यह सम्मान केवल उनका नहीं, बल्कि पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने उद्योग में नवाचार, गुणवत्ता सुधार और पर्यावरण अनुकूल उत्पादन प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। संगम ग्रुप के पीआरओ डॉ. राजकुमार जैन ने बताया कि डॉ. मोदानी को यह सम्मान टेक्सटाइल उद्योग के विकास, नवाचार, बदलाव में नेतृत्व के लिए मिला। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने डॉ. मोदानी को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुएं से मोटर चुराने वाली शातिर गैंग से उठा पर्दा, पानी की तीन मोटर बरामद, दो बदमाश गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

करेड़ा थाना थाना सर्कल में खेत के कुएं से चोरी हुई पानी की मोटरों की वारदातों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है और दो शातिर बदमाशो को गिरफ्तार कर चोरी हुई कुएं की पानी की तीन मोटरें बरामद की है । खेत से मोटर चुराने वाले आरोपी विनोद बलाई व श्रवण सालवी को गिरफ्तार गया है । एसपी धर्मेन्द्र सिंह द्वारा जिले मे चोरी, नकबजनी व लूट की वारदातों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु बुद्धराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन मे व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश वृताधिकारी आसीन्द के सुपरविजन में करेड़ा थाना अधिकारी पुरण मल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। प्रार्थी श्रवण लाल बलाई पिता गंगा राम बलाई निवासी बालाई खेडा भभाणा तहसील करेडा जिला भीलवाडा ने एक रिपोर्ट पेश की ओर बताया की मेरे अलगवास खेत में कुएं की एक मोटर व 300 फिट फॉर एमएम की केबल दिनांक 18.02.2026 रात को अज्ञात चोरों ने चोरी कर ली है और उसी रात 18.02.2026 को राम लाल पिता रता गुर्जर आयु 30 वर्ष निवासी अलगवास और मांगी देवी पत्नी राजू गुर्जर आयु 50 निवासी अलगवास दोनों के कुए से भी दो मोटरे और केबल 200 फिट की चोरी की गयी है आदि रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की । पुलिस टीम द्वारा संदिग्धों से मनोवैज्ञानिक तरीकों के साथ-साथ उनके मोबाईल नम्बर की सीडीआर प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया गया। घटना कारित करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर गहनता से पुछताछ करने पर आरोपी विनोद बलाई व श्रवण सालवी ने उक्त प्रकरण में चोरी करना स्वीकार किया हैं, प्रकरण में चोरी की गई कुंए की पानी की 3 मोटर बरामद की गई। गठित पुलिस टीम में पुरणमल थानाधिकारी के साथ मुरलीधर सउनि, मुकेश, राकेश, जितेन्द्र सिंह शामिल थे।

इन्हें किया गिरफ्तार

विनोद पुत्र बगता बलाई उम्र 23 साल निवासी अलगवास पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा ओर श्रवण पुत्र सोहन सालवी उम्र 30 साल निवासी अलगवास पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा को गिरफ्तार किया गया।

पांसल हाइवे पर ट्रक का ब्रेक फेल होने से ट्रक दूसरी ट्रक से टकराई

खलासी की हुई दर्दनाक मौत

स्मार्ट हलचल | पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। पुर थाना क्षेत्र के पांसल हाइवे पर एक ट्रक के ब्रेक फेल होने से ट्रक आगे चल रहे ट्रक से टकरा गया,हादसे ने ट्रक के खलासी की दर्दनाक मौत हो गई,वही चालक को मामूली चोटे आई। पुर थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि किशन पुरबिया पिता भेरू लाल पुरबिया निवासी बिलिया जो पेशे से खलासी का कार्य करता था,शुक्रवार रात्रि को किशन ट्रक में जा रहा था इसी दौरान शुक्रवार रात करीब 10 बजे पांसल हाइवे पर बालाजी मंदिर के सामने उनकी ट्रक के ब्रेक फेल हो गए और उनकी ट्रक आगे चल रहे ट्रक से टकरा गया ।हादसे में ट्रक का खलासी किशन गंभीर रूप से घायल हो गया ओर उसके चालक को मामूली चोट आई।घायल खलासी को इलाज के लिए तुरंत जिला अस्पताल लाया गया,जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक के शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया था। थाना पुलिस ने शनिवार सुबह जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचकर परिजनों कि मौजूदगी में मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोहरा देवनारायण मंदिर पर आयोजित विष्णु महायज्ञ की हुई पूर्णाहुति

महायज्ञ पूर्णाहुति में 51 जोड़ों ने लगाई आहुतियां

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के जित्यास की नोहरा गांव में काली छाट के देवनारायण मंदिर प्रांगण में चल रहे 21 कुंडात्मक श्री विष्णु महायज्ञ की नवें दिन शनिवार को महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई । ग्रामीणों ने बताया कि काली छाट के देवनारायण मंदिर पर 2 दिसंबर 2025 से अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति के उपलक्ष्य पर पांच दिवसीय पंच कुंडीय श्री विष्णु महायज्ञ व श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन को लेकर नौ दिवसीय 21 कुंडात्मक श्री विष्णु महायज्ञ की शुरुआत 27 मार्च शुक्रवार को कलश यात्रा के साथ हुई । सह यज्ञाचार्य हरिशंकर दाधिच ने बताया कि नवें दिन शनिवार को प्रातः 8:15 बजे मंडप प्रवेश कर स्थापित देवी-देवताओं की पूजन की । यज्ञाआचार्य पंडित धर्मनारायण वैदाचार्य के मंत्रोच्चार के साथ शनिवार को स्थापित देवी देवताओं व चारभुजा नाथ की पूजा अर्चना की । वही पंडितों के वैदिक मंत्रोचार के साथ 21 हवन कुंड में 51 जोड़ों ने आहुतियां लगाई । शनिवार दोपहर 12:15 बजे अभिजीत मुहूर्त में विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई और दोपहर 12:30 बजे महाआरती के साथ महायज्ञ सम्पन्न हुआ, इस दौरान सभी ने चारभुजा नाथ, देवनारायण भगवान से क्षेत्र में घर-परिवार व क्षेत्र में सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की । इसके बाद भंडारा प्रसादी का भोग लगाकर महा प्रसादी वितरण की गई । वही महायज्ञ पूर्णाहुति के बाद नोहरा, जित्यास, गेगा का खेड़ा, पारोली, हाथीपुरा, कानावतों का खेड़ा व बोर्डियास गांवों में आये चारभुजानाथ के बैवाणो को विदाई दी । आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण मेले में पहुंचे और मेले में डॉलर, चकरी, झूले का आनंद लेते हुए, ग्रामीण महिलाओं व युवतियों ने मेले में घरेलू सामानों की जमकर खरीददारी की ।

संत व जनप्रतिनिधि बने महायज्ञ पूर्णाहुति के साक्षी

नोहरा के काली छाट के देवनारायण मंदिर पर सम्पन्न हुई विष्णु महायज्ञ की पूर्णाहुति के मौके पर दीपक पुरी जी महाराज नील कंठ महादेव माडंल व सरसड़ी मठ एवं राजपुरी जी महाराज (कबूतर वाले बाबा) आश्रम, सांगवा सहित अन्य कई संत महात्मा पहुंचे, वही पूर्णाहुति के दौरान भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल व कोटड़ी निवृतमान प्रधान करण सिंह बेलवा आदि कई पहुंचे, जो महायज्ञ पूर्णाहुति के साक्षी बने ।।

14 पंडितों ने सफल करवाया महायज्ञ

सह यज्ञाचार्य हरिशंकर दाधिच ने बताया कि नोहरा गांव में काली छाट के देवनारायण मंदिर पर आयोजित पांच दिवसीय पंच कुंडीय श्री विष्णु महायज्ञ में 9 दिनों तक कुल 14 पंडितों ने पूजा-अर्चना व मंत्रोच्चार के साथ महायज्ञ को संपन्न करवाया, वही महायज्ञ में 9 दिनों तक देवनारायण भगवान के नाम 3 लाख 61 हजार आहुतियां लगाई गई।

गौमाता के साथ अमानवीय घटना के विरोध में हिंदू संगठनों की आक्रोश सभा

पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की, हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से जताया विरोध ओर आक्रोश

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

भीलवाड़ा में गौमाता के साथ अमानवीय घटना सामने आने के बाद विरोध के स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे है हिंदू समाज और हिंदू संगठनों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है भीलवाड़ा शहर में माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने के उद्देश्य से गौमाता के साथ दुष्कर्म किया गया । आरोपियों पर अब तक कार्यवाही नहीं होने से आक्रोश बढ़ता जा रहा है । इसी के चलते प्रशासन को चेतावनी स्वरूप शनिवार को शहर के सूचना केंद्र चौराहे पर विहिप और बजरंग दल द्वारा आक्रोश सभा का आयोजन किया गया । इस दौरान सैंकड़ों कार्यकर्त्ता और हिन्दू समाज के लोग उपस्थित थे । प्रशासन के खिलाफ विरोध ओर आक्रोश प्रकट करने के लिए सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया । वही हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कहा की गौमाता के साथ ऐसी अमानवीय घटनाएं बरदाश्त नहीं की जाएगी और ऐसी घटनाएं बेहद निंदनीय है जिसने समाज को आहत किया है अगर पुलिस प्रशासन इस पर त्वरित संज्ञान नहीं लेता ओर गौमाता के साथ अत्याचार करने वालों को पकड़कर कड़ी सजा नहीं दी जाती है तो उग्र आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ेगा जिसका सारा जिम्मा प्रशासन का होगा । गौमाता के साथ कुकृत्य करने वाले समाजकंटकों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग विहिप ने की है ।

माली समाज विकास मंच ने समाज के होनहार विद्यार्थियों का क्या सम्मान

उपखंड क्षेत्र मे कला सकाय में 97% के साथ खुशी माली रही थी टॉपर

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। माली समाज विकास मंच बिजोलिया द्वारा माली समाज के सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों का माला पहनकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा उन्हें आगे भी इसी प्रकार मेहनत कर समाज और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। गौरतलब है कि - ऊपरमाल क्षेत्र में 12वीं कला सकाय मे खुशी माली ने 97% अंक हासिल करके उपखंड क्षेत्र पर कला सकाय में टॉपर रही।

ग्रीष्मावकाश सहित अन्य अवकाशों में मनमानी कटौती को वापस लेने की मांग को लेकर शिक्षक संघ (सियाराम) ने किया आंदोलन का एलान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के संरक्षक मंडल एवं नवनिर्वाचित प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक संगठन के लाल कोठी जयपुर स्थित प्रांतीय कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। यह जानकारी देते हुए राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार शर्मा और जिला मंत्री महेश मंडोवरा ने बताया कि बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने शिविरा पंचांग 2026-27 में ग्रीष्मावकाश व संस्था प्रधान द्वारा घोषित अवकाश में कटौती का कड़ा विरोध किया है।राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों व भीषण गर्मी को देखते हुए जून माह में विद्यालय खोलना पूर्णतया अव्यावहारिक है।क्षेत्रीय व स्थानीय उत्सवों एवं आयोजनों में राजकीय अवकाश नहीं होने पर भी वहाँ के शत प्रतिशत बालकों की भागीदारी उसमें रहती है,इसी कारण से संस्था प्रधान द्वारा दो अवकाश घोषित किए जाने का प्रावधान रखा गया हैं,इसमें कटौती किया जाना समझ से परे हैं।प्रदेश संगठन मंत्री लीलाधर तिवाड़ी ने बताया कि बैठक में चर्चा हुई कि शिक्षा विभाग द्वारा इस प्रकार के गलत व अव्यावहारिक निर्णय लेने से सरकार की छवि भी धूमिल हुई है।प्रदेश सह संगठन महामंत्री प्रेमशंकर जोशी के अनुसार विभिन्न प्रकार के अवकाशों में की गई कटौती को तत्काल दूर कर शिविरा कैलेंडर में संशोधन की मांग को लेकर संगठन ने आंदोलन की घोषणा की है।आंदोलन के विभिन्न चरणों में 7 अप्रैल को सभी शिक्षक काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेंगे,8 अप्रैल को उपशाखा स्तर से उपखंड अधिकारी व 20 अप्रेल को जिला स्तर से जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा।18 मई को शिक्षा मंत्री के विधानसभा क्षेत्र रामगंजमंडी में विरोध प्रदर्शन करते हुए विशाल शिक्षक रैली निकाली जाएगी।बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य संरक्षक सियाराम शर्मा ने कहा कि शिक्षा मंत्री के सलाहकारों की अदूरदर्शिता एवं विभागीय नासमझी के कारण शिक्षा, शिक्षार्थियों व शिक्षकों से जुड़े महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर समय पर निर्णय नहीं लिया जा रहा है,जिससे राज्य में शिक्षा व शिक्षार्थियों का बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। बैठक में कई प्रमुख प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित थे। अंत में प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मंडपिया चारणान स्कूल का 12वीं आर्ट्स रिजल्ट 100%

टीना कंवर ने 95% अंक लाकर बढ़ाया मान

स्मार्ट हलचल | मंगरोप

मंडपिया चारणान स्थित सीनियर राजकीय विद्यालय ने इस वर्ष 12वीं कला संकाय के बोर्ड परीक्षा परिणाम में शानदार उपलब्धि हासिल की है। मंगलवार को घोषित राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के परिणाम में विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा।खास बात यह रही कि सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, जिससे विद्यालय में उत्साह का माहौल रहा।इस उत्कृष्ट परिणाम में छात्रा टीना कंवर शक्तावत ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया।उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार और ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई।इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में शनिवार को विद्यालय परिसर में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राकेश जांगिड़, उप प्रधानाचार्य सरोज शर्मा, विद्यालय अध्यक्ष पूरणमल जाट, रेखा निगम और समता जैन सहित समस्त स्टाफ ने प्रतिभावान छात्रा टीना कंवर का माला पहनाकर और मुंह मीठा कराकर सम्मान किया।इसके साथ ही अन्य सभी सफल विद्यार्थियों का भी तिलक लगाकर, माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया।सभी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं।कार्यक्रम के दौरान प्रिया सांखला, हेमंत कुमार व्यास, रामेश्वर लाल नायक, सुशीला सोनी, चंचल व्यास, सोनिया टहलानी, सरोज नैनावटी, सूरजमल कोली, प्यारचंद धाकड़, प्रियंका डाड, आयुषी सोम, सुरेंद्र कुमार शर्मा, हर्षित लढा, कल्पना जैन सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

आरकेआरसी महिला मंडल का भव्य 'नारी उत्कर्ष शुभारंभ' आयोजन

संगठित प्रयासों से महिलाएं हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं: शिखा भदादा

अध्यक्षा पल्लवी लढा ने की नए सत्र की कार्यकारिणी की घोषणा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शक्तिरूपेण नारी की विविध प्रतिभाओं को सशक्त मंच प्रदान करने हेतु हमें क्षेत्रीय सभाओं अर्थात् जमीनी स्तर से संगठित होकर एक सुदृढ़ एवं शृंखलाबद्ध संगठन का निर्माण करना है। इस संगठित प्रयास के माध्यम से हमें अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन के मंच तक पहुंचते हुए, अपने कार्यों और उपलब्धियों से संपूर्ण विश्व में अपनी पहचान को नई ऊंचाइयों तक स्थापित करना है। यह बात बतौर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीअ संयुक्त मंत्री (पश्चिमांचल) शिखा भदादा ने आरकेआरसी नगर व्यास महिला संगठन द्वारा आयोजित 'नारी उत्कर्ष शुभारंभ' कार्यक्रम के दौरान कही। भदादा ने कहा की महिला मंडल की भूमिका को समाज के विकास में महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि संगठित प्रयासों से महिलाएं हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं। जब नारी अपनी शक्ति को पहचानती है, तो वह केवल खुद को नहीं, पूरे समाज को ऊंचाइयों तक ले जाती है। आज हमें जरूरत है कि हम जमीनी स्तर से एकजुट होकर अपनी प्रतिभाओं को मंच दें, इससे पुर्व आरकेआरसी महिला संगठन द्वारा 'नारी उत्कर्ष शुभारंभ' कार्यक्रम बड़े उत्साह, उल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। संगठन अध्यक्षा पल्लवी लढा ने नए सत्र की कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यक्रम में लगभग डेढ़ सौ महिलाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत द्वीप प्रज्वलन एवं महेश वंदना के साथ हुई, जिससे वातावरण भक्तिमय और प्रेरणादायक बन गया। प्रचार मंत्री सविता सारडा ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शिखा भदादा एवं रीना डाड उपस्थित रहीं। महिला मंडल की पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अभिनंदन पत्र देकर किया। सचिव रंजना बिरला ने बताया हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में धार्मिक अंताक्षरी का विशेष आयोजन किया गया, जो रामायण की चौपाइयों पर आधारित था। अंताक्षरी आशा दरगड, पूनम डाड, शिल्पा काष्ट द्वारा करवाई गई। प्रतिभा प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत मेवाड़ी धार्मिक कहानी, मेवाड़ी गीत, कविता पाठ एवं भजन प्रस्तुति जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लगभग 40 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। इस कार्यक्रम का संयोजन सुमन भंडारी, दीपशिखा सारडा, मोनिका चेचानी द्वारा किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को प्रथम एवं द्वितीय स्थान देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संगठन की पूर्व अध्यक्षों, श्रीमती लाड देवी लढा, श्रीमती वंदना नुवाल, श्रीमती इंदिरा हेड़ा, वरिष्ठ सदस्या स्नेहलता तोषनीवाल एवं निवर्तमान अध्यक्ष चेतना जागेटिया, सचिव मीनू झंवर का विशेष सम्मान किया गया। मंच संचालन रेनू समदानी ने किया। कार्यक्रम में सरोज सोमानी, सुमित्रा दरगड, सुनीता मुंदड़ा, चंद्रकांता गगरानी सुनीता नरानीवाल, प्रिया कोठारी, सीमा बिरला, सुनीता काबरा, मधु बिरला, सुनीता बिरला, मितिका लढा, रीना माहेश्वरी, आभा माहेश्वरी, रेखा ईनाणी, राजकुमारी राठी आदि सदस्यों की उपस्थिति रही। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

3 महीने के राशन में खेल! 'अभी 1 महीना लो, बाकी बाद में'–डीलरों की नई चाल से जनता परेशान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान सरकार द्वारा 1 अप्रैल 2026 से 3 महीने का राशन एक साथ देने की घोषणा की थी जो आम जनता के लिए राहत भरी खबर थी, लेकिन जमीनी स्तर पर इस योजना की सच्चाई कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिले में राशन वितरण को लेकर भारी अनियमितताएं और गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। सूत्रों के अनुसार, कई राशन डीलर उपभोक्ताओं से कह रहे हैं– 'अभी आप 1 महीने का राशन लेकर जाएं, बाकी 2 महीने का बाद में ले जाना, आगे से राशन की गाड़ी नहीं आई है। जैसे ही गाड़ी आएगी, आपको राशन दे दिया जाएगा। ' हैरानी की बात यह है कि यही बात कुछ स्थानों पर प्रशासन की ओर से भी कही जा रही है कि आगे से राशन की सप्लाई (गाड़ी) नहीं पहुंची है, इसलिए पूरा राशन फिलहाल नहीं दिया जा सकता। लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि जब उन्हें पूरा राशन नहीं दिया जा रहा, तो कम से कम उनके राशन कार्ड पर लिखित में यह दर्ज किया जाए कि 2 महीने का राशन बाकी है। परंतु कई डीलर यह लिखने से साफ इनकार कर रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं में भारी असंतोष और शक पैदा हो रहा है।

इस पूरी प्रक्रिया में उपभोक्ताओं से अंगूठा (फिंगरप्रिंट) लगवाकर वितरण दिखा दिया जाता है, लेकिन मोबाइल पर जो मैसेज आता है उसमें सिर्फ आधार प्रमाणीकरण की पुष्टि होती है–यह नहीं बताया जाता कि 1, 2 या 3 महीने का राशन दिया गया है।

समाजसेवी मोहम्मद हारून रंगरेज, भीलवाड़ा ने इस पूरे मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि यह गरीबों के हक पर सीधा प्रहार है और कहा कि यदि डीलर 1 महीने का राशन दे रहे हैं तो शेष 2 महीने का लिखित रिकॉर्ड देना अनिवार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस गड़बड़ी की तुरंत जांच हो और दोषी डीलरों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही पारदर्शिता नहीं लाई गई तो जनता के साथ मिलकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना लिखित प्रमाण के 'बाद में राशन देने' का वादा केवल बहाना बन सकता है और इससे गरीब उपभोक्ताओं को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

प्रमुख सवालः

- जब 3 महीने का राशन स्वीकृत है तो पूरा क्यों नहीं दिया जा रहा? - शेष राशन का कोई लिखित रिकॉर्ड क्यों नहीं दिया जा रहा? - सिर्फ आधार प्रमाणीकरण से वितरण की पुष्टि कैसे मानी जाए?

मांगें:

राशन वितरण का स्पष्ट स्क्र (महीनों का उल्लेख सहित) अनिवार्य किया जाए - राशन कार्ड पर शेष राशन का लिखित उल्लेख किया जाए - सप्लाई की स्थिति सार्वजनिक की जाए - दोषी डीलरों पर कड़ी कार्रवाई हो

बूंदी की ऐतिहासिक धरोहरें बदहाली का शिकार, दीवारों पर पोस्टरों से बिगड़ रहा स्वरूप

स्मार्ट हलचल| बूंदी

अपनी अनोखी स्थापत्य कला और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध बूंदी शहर की बावड़ियां, प्राचीन दरवाजे और बुर्ज आज बदहाली का शिकार हो रहे हैं। इन धरोहरों पर लोगों द्वारा जन्मदिन और शुभकामनाओं के बड़े-बड़े पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं, जिससे इनका मूल स्वरूप लगातार बिगड़ता जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐतिहासिक स्मारकों पर इस तरह के पोस्टर और बैनर लगाना न केवल नियमों के खिलाफ है, बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक विरासत को भी नुकसान पहुंचा रहा है। पहले भी इस संबंध में समाचारों के माध्यम से लोगों और प्रशासन को अवगत कराया गया था, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

पर्यटन विभाग और नगर परिषद के अधिकारियों की ओर से भी इस मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। जबकि सरकारकी ओर से ऐतिहासिक धरोहरों को संवारने के लिए लाखों रुपए खर्च किऐ जा रहे हैं और दूसरी ओर नगरपरिषद की लापरवाही से ऐतिहासिक धरोहरे बदरंग हो रही हैं।

इसलिए शहरवासियों ने मांग की है कि ऐतिहासिक धरोहरों एवं बाजारों में अव्यवस्थित रूप से नगर परिषद की स्वीकृति के बिना लगे हुए पोस्टर-बैनरों को हटा कर उनके संरक्षण के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि बूंदी की विरासत आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके।

फायरिंग कर लूट करने वाले तीन शातिर बदमाश 24 घंटे में गिरफ्तार

देसी कट्टा व पांच जिंदा कारतूस बरामद

स्मार्ट हलचल| सूरौठ

थाना सूरौठ पुलिस ने फायरिंग और लूट की वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को मात्र 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त हथियार और वाहन भी बरामद कर लिया है। एसपी लोकेश सोनवाल ने बताया कि सूरौठ पुलिस ने फायरिंग व लूट के आरोपी गांव शेरपुर निवासी सचिन जाट, पाली निवासी धर्मेंद्र जाट एवं एकोराशी निवासी कुलदीप जाट को गिरफ्तार किया है।

घटना 3 अप्रैल 2026 की रात करीब 11:30 बजे की है। ग्राम हाड़ोली में स्थित शराब की दुकान पर आरोपी सचिन जाट, धर्मेंद्र जाट और कुलदीप जाट मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए। उन्होंने सेल्समैन पप्पू जाट से दुकान खोलने और शराब देने का दबाव बनाया। दुकान बंद होने के कारण जब सेल्समैन ने मना किया, तो बदमाशों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। खुद को बड़ा बदमाश बताते हुए उन्होंने जान से मारने की नीयत से पप्पू पर कई राउंड फायर किए। जान बचाकर सेल्समैन कमरे में भागा, जिसके बाद आरोपी चारपाई पर रखे 5000 रुपये लूट ले गए और बाहर खड़ी एक जीप में भी तोड़फोड़ की।

सूचना मिलते ही थानाधिकारी सोहनसिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने रात में ही बदमाशों का पीछा शुरू किया। इस कार्रवाई में पुलिस दल ने साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को नगला की नदी के पास से धर दबोचा। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक 315 बोर का अवैध देसी कट्टा, 5 जिंदा कारतूस और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल जब्त की है।

कलयुगी दोहिता ही निकला नाना का कातिल 2 हजार के लिए पत्थर से सिर कुचल कुएं में फेंकी लाश

खेत पर बने मंदिर के चबूतरे पर सो रहे नाना, शादी के जश्न के बीच रची कत्ल की साजिश

स्मार्ट हलचल |जयपुर

बारां जिले के सारथल थाना क्षेत्र में हुई 80 वर्षीय बुजुर्ग बद्रीलाल की नृशंस हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु के निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी अनुसंधान और 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के बाद आरोपी दोहिते रणजीत को अकलेरा बस स्टैंड से दबोच लिया। आरोपी अपने नाना की हत्या कर बाहर भागने की फिराक में था।

एसपी अंदासु ने बताया कि 27 मार्च 2026 को फरियादी भैरूलाल द्वारा सारथल के सीएचसी में रिपोर्ट दी गई थी कि उसका बड़ा भाई बद्रीलाल (80) खेत पर बने चबूतरे पर पूजा-पाठ करता था और रात को वहीं सोता था। सुबह चाय देने गई भाभी ने देखा कि बद्रीलाल का शव कुएं में पड़ा है, जिसके सिर पर गंभीर चोट और पैर बंधे हुए थे। रिपोर्ट पर पुलिस थाना सारथल में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी के सुपरविजन और वृताधिकारी छबड़ा के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने सारथल, हरनावदाशाहजी, इकलेरा और झालावाड़ क्षेत्र के करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की जांच की और तकनीकी व आसूचना के आधार पर संदिग्ध को चिन्हित किया।

दोहिता निकला हत्यारा

पुलिस ने आरोपी रणजीत (25) निवासी ल्हास थाना घाटोली हाल निवासी सारथल को अकलेरा बस स्टैंड से डिटेन कर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने नाना बद्रीलाल की हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने अपने नाना से 2000 रुपये मांगे थे। रुपये नहीं देने पर उसने गुस्से में आकर पत्थर से सिर पर वार कर हत्या कर दी।

जांच में सामने आया कि मृतक बद्रीलाल पिछले नौ दिनों से अपने खेत पर बने शंकर भगवान के चबूतरे पर पाठ-पूजा कर रहे थे। 26 मार्च की रात गांव में एक शादी का प्रोग्राम था, जिसके कारण उनकी पत्नी खेत पर नहीं गईं। इसी सूनेपन का फायदा उठाकर आरोपी दोहिते रणजीत ने सोते हुए नाना के सिर पर पत्थर से दो बार वार कर उनकी हत्या कर दी।

आरोपी कई दिनों से अपने नाना की रैकी कर रहा था। 26 मार्च की रात करीब 1 बजे खेत पर पहुंचा और सोते हुए नाना के सिर पर पत्थर से वार कर हत्या की। फिर शव को घसीटकर कुएं तक ले गया और पैरों को बांधकर पत्थर के साथ कुएं में फेंक दिया। इसके बाद रात भर गायब रहा और सुबह अपनी मौसी गुड्डी बाई के घर जाकर सो गया। अगले दिन शाम 6:00 बजे के करीब सारथल से इकलेरा की तरफ भाग गया। आरोपी और उसकी मां बहुत दिनों से मृतक बद्रीलाल के घर पर ही रह रहे थे। गिरफ्तार आरोपी रणजीत के खिलाफ झालावाड़ जिले में पहले से चोरी, मारपीट और आर्म्स एक्ट सहित कुल 4 मामले दर्ज हैं।

कारिस देव बाबा के वार्षिक लख्खी मेले का भव्य शुभारंभ

स्मार्ट हलचल

वैर। जिले के वैर उपखंड स्थित ग्राम जहाज में सुप्रसिद्ध लोक देवता श्री कारस देव (देव बाबा) के वार्षिक लख्खी मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने फीता काटकर मेले की शुरुआत की और प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंत्री बेढम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए क्षेत्र के लिए बड़ी घोषणाएं साझा कीं, जिनमें देव बाबा पैनोरमा निर्माण हेतु 3.60 करोड़ रुपये और सड़कों के सुधार के लिए 17 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। संबोधन में उन्होंने कहा कि देव बाबा का यह मंदिर लाखों लोगों की आस्था का केंद्र है और सरकार धार्मिक स्थलों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा, पूर्व सांसद रामस्वरूप कोली सहित भारी संख्या में श्रद्धालु और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

भोपतपुरा के सरकारी विद्यालय में 29 छात्राओं को साइकिले वितरित की

वाटर कूलर और ट्यूबवेल का भी हुआ उद्घाटन

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। भोपतपुरा सरकारी हाई स्कूल में दिशा बंजारा पुत्री महेश बंजारा की स्मृति में ऊंकार लाल बंजारा की ओर से भेंट किए गए वाटर कूलर, सरकारी ट्यूबवेल का उद्घाटन और साइकिल वितरण समारोह का आयोजन विशिष्ट अतिथि पं.स. सदस्य अभिषेक सर्वा,भामाशाह ऊंकार लाल बंजारा, ,विजेश बंजारा, जगदीश शर्मा, के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। प्रधानाचार्य देवीशंकर वर्मा, उप-प्रधानाचार्य नवल कुमार तथा डॉ0 सत्यप्रकाश सैन के मार्गदर्शन और निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा-9 की 29 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया। अभिषेक सर्वा ने कक्षा 10 में शत प्रतिशत परिणाम रहने पर छात्र छात्रावो और विद्यालय स्टाफ को बधाई और शुभकमनाएं दी साथ ही वर्षा बंजारा पुत्री विजेश बंजारा 88 % लाने पर सभी अतिथियों द्वारा माला पहनाकर अभिनंदन किया।

ईश अवसर पर महेंद्र कुमार शर्मा, कोमल चित्तौड़ा, पारूल शर्मा,फूला कुमारी सैनी अल्ताफ हुसैन, दुर्गा लाल प्रजापत सहित विद्यालय स्टाफ,छात्र-छात्राएं और अतिथि मौजूद थे।

90 वर्षीय वृद्धा के घर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, जेवरात शत-प्रतिशत बरामद

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/मसूदा। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशन में मसूदा थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का महज कुछ ही दिनों में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया सारा माल (सोने व चांदी के जेवरात) बरामद कर लिया है।

पूरी घटना : सूनेपन और वृद्धावस्था का उठाया फायदा

प्रार्थी गोपाल सिंह रावत ने मसूदा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम भीमजी की बेरी (शेरगढ़) में उनके भाई सांवरसिंह के घर पर उनकी 90 वर्षीय वृद्ध माता और एक नाबालिग पोता ही रहते हैं। भाई के रोजगार हेतु बिहार जाने का फायदा उठाकर गांव के ही एक युवक मेवा सिंह ने घर से वृद्ध माता की 250 ग्राम चांदी की चूड़ियां और सोने की नथ पार कर ली। यह घटना 25 से 27 मार्च 2026 के बीच अंजाम दी गई थी।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी रणजीत सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच अधिकारी सउनि भंवरलाल ने साक्ष्यों के आधार पर दबिश देकर मुख्य आरोपी मेवा सिंह और चोरी के माल में संलिप्त रामदेव सिंह को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों का विवरणनाम आरोपीपिता का नामनिवासीआयुमेवा सिंह अजय सिंहभीमजी की बेरी, शेरगढ़25 वर्षरामदेव सिंह अजीमा सिंहग्राम रामपुरा, मसूदा54 वर्ष

सफलता के मुख्य बिंदु

100% बरामदगीः पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए सोने-चांदी के सभी जेवरात बरामद कर लिए हैं।

टीम वर्क : इस कार्रवाई में सउनि भंवर लाल, कांस्टेबल सुनील, महेन्द्र और प्रकाश की मुख्य भूमिका रही।

अनुसंधान जारी : पुलिस अब यह पता लगा रही है कि क्या इन आरोपियों ने क्षेत्र में अन्य वारदातों को भी अंजाम दिया है।

अपराधियों के विरुद्ध पुलिस का अभियान जारी रहेगा। इस मामले में त्वरित रिकवरी पुलिस टीम की सतर्कता का परिणाम है। '

— पुलिस प्रशासन, ब्यावर

आसमान से गिरीओलों को बारिश, किसान चिंतित

स्मार्ट हलचल

नाहरगढ़। बारां जिले के नाहरगढ़ कस्बे में शनिवार को कुदरत का ऐसा कहर टूटा, जिसने किसानों की मेहनत और उम्मीदों को पलभर में चकनाचूर कर दिया. दोपहर बाद अचानक बदले मौसम ने पहले तेज आंधी का रूप लिया और फिर बारिश के साथ आसमान से ओलों की बारिश शुरू हो गई. कुछ ही देर में पूरा इलाका सफेद चादर से ढक गया और खेतों तक तबाही का मंजर नजर आने लगा।

दिनभर की तेज गर्मी के बाद मौसम में आए इस अचानक बदलाव ने लोगों को संभलने का मौका तक नहीं दिया. दोपहर करीब 3 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ काले बादलों ने आसमान को घेर लिया और देखते ही देखते ओलावृष्टि शुरू हो गई. इससे सड़कों, मकानों की छतों और खेतों में मोटी परत जम गई. कई जगह तो हालात ऐसे बन गए, मानो बर्फबारी हो रही हो।

गाजियाबाद में राष्ट्रीय ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज, सांसद किरीट सोलंकी को 'हिन्द गौरव विभूषण' सम्मान

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

भारतीय ड्रॉप रोबॉल राष्ट्रीय संगठक एडवोकेट लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने बताया कि उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में 2 अप्रैल से आयोजित 15वीं सब जूनियर व जूनियर तथा 16वीं सीनियर राष्ट्रीय ड्रॉप रोबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन भव्य आयोजन और सम्मान समारोह ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। देशभर से आए खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की उपस्थिति में कार्यक्रम का माहौल उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहा।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन आयोजित सम्मान समारोह में अहमदाबाद पश्चिम से लगातार तीन बार के सांसद एवं वर्ल्ड ड्रॉप रोबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष किरिट प्रेम भाई सोलंकी को ड्रॉप रोबॉल खेल के संस्थापक डॉ ईश्वर सिंह आचार्य ने भारतीय क्रीड़ा विकास संगठन द्वारा प्रतिष्ठित 'हिन्द गौरव विभूषण अवार्ड' से सम्मानित किया इस सम्मान के माध्यम से उनके खेल एवं सामाजिक क्षेत्र में दिए गए योगदान को सराहा गया। कार्यक्रम में अन्य विशिष्ट व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। इसी क्रम में समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय उड़ान संस्था के सचिव अरुण कुमार को उत्तरप्रदेश ड्रॉप रोबॉल संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक यादव द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके सामाजिक योगदान और खेल गतिविधियों में सहयोग के लिए प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मैदान में कड़े मुकाबले देखने को मिले, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और भी ऊंचा दिखाई दिया।

आयोजन समिति के अनुसार, प्रतियोगिता के आगामी दिनों में और भी रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। साथ ही, खेल को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों और कार्यक्रमों की भी योजना बनाई गई है। यह प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों के कौशल को मंच प्रदान कर रही है, बल्कि ड्रॉप रोबॉल जैसे उभरते खेल को देशभर में पहचान दिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है,भारतीय ड्रॉप रोबॉल सचिव दता गिरी गोसावी, हिमाचल सचिव गोविंद सिंह, छत्तीसगढ़ सचिव मृत्युजय शर्मा,तमिलनाडु सचिव सबरी गणेशा,उत्तरप्रदेश सचिव राहुल देव, दिल्ली सचिव जितेंद्र गुर्जर सहित तेईस राज्यों के राज्य सचिव अपनी अपनी टीमों एवं अपने खिलाड़ियों के साथ रहे ।

बेमौसम बारिश में 10-15 ग्राम के भारी ओलों ने बढ़ाई किसानों की चिंता

स्मार्ट हलचल

टोंक/बनेठा। उनियारा उपखंड क्षेत्र के बनेठा कस्बे में शनिवार दोपहर बाद मौसम ने अचानक करवट लेते हुए कहर बरपा दिया। तेज बेमौसम बारिश के साथ हुई जोरदार ओलावृष्टि ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया। दोपहर बाद अचानक आसमान में काली घटाएं छा गईं और देखते ही देखते बारिश के साथ बड़े-बड़े ओले गिरने लगे। करीब 10 मिनट तक चली इस ओलावृष्टि ने पूरे बनेठा कस्बा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों के अनुसार इस बार गिरने वाले ओले सामान्य से कहीं अधिक बड़े और भारी थे, जिनका वजन लगभग 10 से 15 ग्राम तक बताया जा रहा है।ओलों की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सड़कों पर सफेद चादर जैसी स्थिति बन गई और लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर भागना पड़ा। इस अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में पककर तैयार खड़ी फसल को भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों का कहना है कि ओलावृष्टि के कारण फसल झड़ने और उत्पादन में भारी गिरावट आने की संभावना बन गई है।

आईएएस टीना डाबी ने संभाला टोंक जिला कलेक्टर का पदभार

-सुशासन और जनसुनवाई पर जोर

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिले को नई प्रशासनिक दिशा देते हुए आईएएस अधिकारी टीना डाबी ने शुक्रवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट का पदभार ग्रहण किया। कलेक्ट्रेट परिसर में गरिमामय माहौल में पदभार ग्रहण की औपचारिकताएं पूरी की गईं। पदभार संभालने के बाद कलेक्टर टीना डाबी ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के ''मुख्यमंत्री विकसित ग्राम/शहरी वार्ड अभियान'' के तहत जिले के समग्र और योजनाबद्ध विकास के लिए प्रभावी एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा, जिससे नागरिकों के जीवन स्तर में ठोस सुधार हो सके। साथ ही, सरकार की 25 फ्लैगशिप योजनाओं को जमीनी स्तर तक

पहुंचाकर अधिकतम लोगों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है।कलेक्टर डाबी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं जनता के बीच जाकर संवाद स्थापित करेंगी, ताकि समस्याओं को सीधे समझकर उनका समाधान किया जा सके।जिले में जनगणना कार्य को लेकर भी उन्होंने प्रशासनिक टीम के साथ बेहतर समन्वय बनाते हुए इसे प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने की बात कही।इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामरतन सौकरिया, जिला परिषद के सीईओ परशुराम धानका, एसडीएम टोंक हुक्मीचंद रोहलानिया और एसडीएम निवाई प्रीति मीना सहित अन्य कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि टीना डाबी इससे पहले जैसलमेर और बाड़मेर में जिला कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं और वे वर्ष 2016 की यूपीएससी परीक्षा की ऑल इंडिया टॉपर रही हैं।

नई जिम्मेदारी-नई उम्मीदें

टोंक में उनकी यह नियुक्ति प्रशासनिक कार्यों में तेजी, पारदर्शिता और जनता के साथ मजबूत संवाद की दिशा में अहम मानी जा रही है। कलेक्टर के रूप में उनका फोकस साफ है - सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और आमजन का प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो।

कस्बे में आवारा कुत्तों ने मचाया बवाल, करीब 50 लोगों पर किया अटैक

आखिर प्रशासन जनहित के मुद्दों को लेकर क्यों हैं, निष्क्रिय

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

कस्बा इन दिनों आवारा कुत्तों के आतंक से कराह रहा है। शुक्रवार को हालात उस वक्त भयावह हो गए, जब शहर में आवारा कुत्तों ने अचानक लोगों पर हमला बोल दिया। इस खौफनाक घटनाक्रम में करीब 50 लोग घायल हो गए, जिनमें बच्चे, बुजुर्ग भी शामिल हैं।

घटनाओं की सूचना मिलते ही पूरे शहर में सनसनी फैल गई। घायल लोग चीखते-चिल्लाते हुए इधर-उधर भागते नजर आए। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तत्काल घायलों को लाखेरी अस्पताल पहुंचाया, जहां एक के बाद एक मरीजों के पहुंचने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम लगातार उपचार में जुटी रही और घायलों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन सहित जरूरी चिकित्सा दी जा रही है। खबर मिलते ही नायब तहसीलदार अस्पताल पहुंचे और हालातो का जाएजा लिया

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्तों के झुंड ने राह चलते लोगों को निशाना बनाया। कई लोगों को सड़कों पर दौड़ाकर काटा गया, जिससे लोगों में भय और गुस्से का माहौल है। शहरवासी घरों से निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं, खासकर बच्चों को लेकर अभिभावकों में भारी चिंता देखी जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह समस्या नई नहीं है। लंबे समय से आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन प्रशासन और नगर

पालिका ने इस दिशा में कोई ठोस और स्थायी कदम नहीं उठाया। कई बार शिकायतें देने के बावजूद हालात जस के तस बने हुए हैं।

इस घटना के बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि तुरंत विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने, नसबंदी कराने और शहर को सुरक्षित बनाने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए।

सबसे बड़ा सवाल अब यही है

क्या प्रशासन इस बढ़ते खतरे को गंभीरता से लेगा?

क्या लाखेरी के लोगों को इस आतंक से राहत मिल पाएगी?

या फिर आमजन यूं ही हर दिन डर के साए में जीने को मजबूर रहेगा? फिलहाल, लाखेरी में दहशत का माहौल है और लोग प्रशासन की त्वरित कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा का आज महुवा दौरा

जिला अस्पताल भूमि पूजन सहित अन्य विकास के कार्यों को देंगे गति

स्मार्ट हलचल

महुवा। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा रविवार को महूवा क्षेत्र के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे।विधायक राजेंद्र मीना ने बताया कि मंत्री शनिवार अपने पैतृक गांव मनोहरपुर में रात्रि विश्राम करेंगे। रविवार को सुबह 11 बजे अपने पैतृक गांव मनोहरपुर में विशाल सुड्डा कन्हैया दंगल का शुभारंभ करेंगे। दोपहर 1 बजे समलेटी में महुवा जिला अस्पताल भूमि पूजन शिलान्यास तथा 33/11 केवी जीएसएस के लोकार्पण एवं समलेटी के खेल मैदान में सुड्डा दंगल कन्हैया दंगल ढांचा दंगल सांस्कृतिक

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। उसके बाद दोपहर 3 बजे महुवा के भरतपुर रोड स्थित दादू दयाल मैरिज गार्डन में खाद बीज विक्रेताओं द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में शामिल होंगे एवं शाम 5 बजे झारोटी-भुसावर में गायन दंगल व कक्षा कक्षों के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेंगे।

टोंक में 5-6 अप्रैल को उप निरीक्षक व प्लाटून कमाण्डर परीक्षा-19 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमाण्डर प्रतियोगी परीक्षा 2025 का आयोजन 5 व 6 अप्रैल को जिले के 24 परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दोनों दिन दो पारियों में आयोजित होगी, जिसमें पहली पारी प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा दूसरी पारी दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक होगी।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर, टोंक रामरतन सौकरियां ने बताया कि परीक्षा में कुल 19 हजार 248 अभ्यर्थी भाग लेंगे। परीक्षा के सफल एवं पारदर्शी संचालन

के लिए 4 सतर्कता दलों का गठन किया गया है, जो विभिन्न केन्द्रों पर निगरानी रखेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों की कड़ी सुरक्षा जांच की जाएगी। अभ्यर्थियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित वेशभूषा में ही परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित हों। पुरुष अभ्यर्थियों के लिए आधी आस्तीन की शर्ट/टी-शर्ट/कुर्ता के साथ पेंट या पायजामा तथा हवाई चप्पल या स्लीपर अनिवार्य रहेगा। वहीं महिला अभ्यर्थी सलवार सूट या साड़ी, आधी आस्तीन का कुर्ता/ब्लाउज तथा साधारण रबर बैंड के साथ बाल बांधकर आएंगी।परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार के आभूषण, घड़ी, धूप का चश्मा, बेल्ट, हैंड बैग, हेयर पिन, ताबीज, कैप, स्कार्फ, स्टॉल, शॉल या मफलर पहनने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। केवल लाख या कांच की पतली चूड़ियों की अनुमति दी गई है। एडीएम ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें, ताकि परीक्षा के दौरान किसी भी असुविधा या परेशानी से बचा जा सके।

टोंक में रोजगार/प्लेसमेंट शिविरों की घोषणा

निजी क्षेत्र में सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर बनने का मौका

स्मार्ट हलचल

टोंक। राजस्थान सरकार के जिला रोजगार कार्यालय, टोंक द्वारा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले की विभिन्न पंचायत समितियों में रोजगार/ प्लेसमेंट शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में जिला रोजगार अधिकारी राजकुमार मीणा ने दिशा निर्देश जारी करते हुए बताया कि निजी क्षेत्र की कंपनी एसएससीआई सिक्योरिटी के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया संचालित की जाएगी। जारी आदेश के अनुसार इन शिविरों में करीब 370 पदों पर सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए साक्षात्कार लिए जाएंगे।सभी शिविर संबंधित पंचायत समिति परिसर में आयोजित होंगे तथा समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

शिविरों का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगाः

देवली पंचायत समिति में 08 अप्रैल, टोडारायसिंह में 09 अप्रैल, मालपुरा में 10 अप्रैल, पीपलू में 13 अप्रैल, निवाई में 16 अप्रैल, उनियारा में 17 अप्रैल तथा टोंक पंचायत समिति में 20 अप्रैल 2026 की साक्षात्कार तिथि नियत की गई हैं। जिला रोजगार कार्यालय ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविरों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यव-स्थाएं सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक युवाओं को इन शिविरों की जानकारी देकर लाभान्वित किया जाए। साथ ही, चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम रिपोर्ट एवं तथ्यात्मक जानकारी समय पर प्रस्तुत करने के निर्देश भी संबंधित एजेंसी को दिए गए हैं।

एसआई परीक्षाः ब्यावर एसपी ने केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित होने वाली सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2025 को लेकर जिला पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। 05 और 06 अप्रैल को होने वाली इस परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन हेतु पुलिस अधीक्षक ब्यावर, रतन सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा ने परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा और ब्रीफिंग

अधिकारियों ने जिले के विभिन्न केंद्रों पर तैनात पुलिस जाब्ते को ब्रीफिंग दी और ड्यूटी के दौरान सतर्क रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा के निम्नलिखित मानकों को परखा गयाः

प्रवेश प्रक्रिया : अभ्यर्थियों के प्रवेश और सघन तलाशी के इंतजाम। पहचान सत्यापन : फर्जी परीक्षार्थियों को रोकने हेतु कड़ा पहचान सत्यापन। तकनीकी निगरानी : सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता और कंट्रोल रूम से जुड़ाव। संवेदनशील बिंदु : केंद्रों के आसपास के संवेदनशील इलाकों में पुलिस की विशेष तैनाती।

नकल गिरोहों पर रहेगी पैनी नजर

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि परीक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या नकल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहाः परीक्षा की शुचिता भंग करने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाई जाएगी। इसके लिए सादा वर्दी में विशेष पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं और मोबाइल गश्त दल लगातार सक्रिय रहेंगे। '

ब्यावर पुलिस ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के प्रलोभन या अफवाहों के झांसे में न आएं। यदि कोई भी व्यक्ति पेपर लीक या नकल के नाम पर ठगी की कोशिश करे, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस ने सभी परीक्षा केंद्रों पर शांति और अनुशासन बनाए रखने का आग्रह किया है।

अंधड़ में संतुलन बिंगड़ने से छत से गिरने से युवक की मौत

स्मार्ट हलचल | सूरौठ

कस्बे में जटवाड़ा मार्ग पर अंधड में संतुलन बिंगडने से 24 वर्षीय युवक मकान की छत से गिर गया जिससे युवक की मृत्यु हो गई। इस सम्बन्ध में मृतक की मां ने सूरौठ थाने में हादसे की मर्ग दर्ज कराई है। थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर ने बताया कि सूरौठ कस्बे में जटवाडा मार्ग पर निवास करने वाली हिरो देवी पत्नी स्वर्गीय किरोड़ी माली ने मर्ग दर्ज कराई है कि 3 अप्रैल की रात 7:30 बजे के करीब उसका छोटा बेटा कान्हा माली (24) किसी कार्य से अपने मकान की छत पर गया हुआ था। इसी दौरान बारिश के साथ अंधड आ गया। अंधड़ में संतुलन खराब होने के कारण कान्हा छत से गिर गया। अंधेरे के कारण परिजनों को युवक के गिरने का देरी से पता लगा। पता लगते ही परिजन युवक कान्हा को हिंडौन के राजकीय अस्पताल ले गए जहां उसकी मृत्यु हो गई।

जयपुर जिले में सुरक्षा जवान भर्ती के लिए विशेष पंजीयन शिविरों का होगा आयोजन

स्मार्ट हलचल

जयपुर। उप प्रादेशिक रोजगार कार्यालय झालाना, जयपुर द्वारा युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलते हुए सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती हेतु विशेष पंजीयन शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह शिविर 7 अप्रैल 2026 से 21 अप्रैल 2026 तक जिले की विभिन्न पंचायत समितियों में लगाए जाएंगे। कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह आयोजन सिक्योरिटी स्किल कौशल इंडिया एवं सिक्योरिटी एंड इंटेलिजेंस सर्विसेज के सहयोग से किया जाएगा।शिविरों का उद्देश्य युवाओं को सुरक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ना है। पंचायत मुख्यालय पर शिविर कार्यक्रम 7 अप्रैल को पंचायत समिति कोटपूतली, 8 अप्रैल को बस्सी, 9 अप्रैल को चाकसू, 10 अप्रैल को चौमूं (गोविन्दगढ़), 11 अप्रैल को दूदू, 13 अप्रैल को जमवारामगढ़, 14 अप्रैल को झोटवाड़ा, 15 अप्रैल को फागी, 16 अप्रैल को सांभर, 17 अप्रैल को शाहपुरा, 18 अप्रैल को सांगानेर, 20 अप्रैल को आमेर, 21 अप्रैल को सांगानेर पंचायत समिति में रोजगार शिविर आयोजित किया जाएगा।

क्या है खास

युवाओं को सुरक्षा जवान व सुपरवाइजर पदों के लिए पंजीयन, चयनित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण की सुविधा, रोजगार से जोड़ने की पहल, कार्यालय ने संबंधित पंचायत समितियों के विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिविरों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

निष्कर्ष

जयपुर जिले के युवाओं के लिए यह एक सुनहरा अवसर है, जहां वे सीधे पंजीयन कर सुरक्षा क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

102 दिन से जारी संघर्ष के बीच नरेश मीणा की हुंकार

'मुआवजा नहीं, जमीन बचानी है' —बीसलपुर बांध फैसले के खिलाफ 14 अप्रैल को महाआंदोलन की तैयारी

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। बीसलपुर बांध की जल भराव क्षमता आधा मीटर बढ़ाने के विरोध में देवली उपखंड कार्यालय के बाहर 102 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना जारी है। इस क्षमता वृद्धि से अजमेर, टोंक और भीलवाड़ा जिलों के 68 गांवों के विस्थापित होने की आशंका है, जिसके चलते ग्रामीण प्रदर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार देर शाम किसान नेता नरेश मीणा ने धरनार्थियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं।

नरेश मीणा ने ग्रामीणों की अनदेखी का आरोप लगाया

मीणा ने सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश की भाजपा सरकार पर ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि तीन विधानसभा क्षेत्रों के ग्रामीण तीन महीने 12 दिन से धरना दे रहे हैं, लेकिन सरकार इस मामले में गंभीर नहीं दिख रही है। उन्होंने यह भी कहा कि केकड़ी, जहाजपुर और देवली तीनों विधानसभा क्षेत्रों से भाजपा के विधायक

होने के बावजूद विस्थापितों की मांगों पर कोई आश्वासन नहीं दिया जा रहा है। बांध का भराव बढ़ने से किसानों की 14 अप्रैल को देवली में सभा होगी। किसान नेता ने स्पष्ट किया कि धरना स्थल पर बैठे किसान मुआवजे के लिए नहीं, बल्कि अपनी आजीविका बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। नरेश मीणा ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कोई ठोस समाधान नहीं निकला, तो आगामी 14 अप्रैल को देवली में एक सभा आयोजित की जाएगी। इस सभा में बीसलपुर बांध से गाद निकालने और भराव बढ़ाने के विरोध में एक बड़े जन-आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

इस अवसर पर टोंक सरपंच संघ अध्यक्ष मुकेश मीणा, छान बास के सरपंच सूर्या आरडी गुर्जर, वार्डपंच मनोज मीणा, अंबेडकर विचार मंच के अध्यक्ष पांचूलाल मीणा, कासीर के पूर्व सरपंच यादराम मीणा, धनराज मीणा धुँवाला, दिलराज मीणा निमेड़ा, कुलदीप सिंह मीणा और बंशी मीणा बोयडा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

निशानेबाज राधिका मीणा को विधायक राजेन्द्र गुर्जर से मिला प्रोत्साहन

2 लाख की गन भेंट

स्मार्ट हलचल

टोंक। देवली-उनियारा के विधायक राजेन्द्र गुर्जर ने अपने विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान उभरती खेल प्रतिभा राधिका मीणा को बड़ी सौगात दी है।

विधायक ने बताया कि राधिका मीणा के माता-पिता ने उनसे उच्च स्तरीय गन दिलाने का आग्रह किया था। खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने अपने विधायक कोष से करीब 2 लाख रुपये की लागत से गन भेंट की। राधिका मीणा, जो देवली उपखंड क्षेत्र के पोल्याड़ा गांव की निवासी हैं, राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देवली-उनियारा क्षेत्र का नाम रोशन कर चुकी हैं। विधायक गुर्जर ने उम्मीद जताई कि इस नई गन की मदद से राधिका मीणा एशियाई खेलों और ओलंपिक जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारी कर सकेंगी। स्थानीय लोगों ने इस पहल को खेल प्रतिभाओं के लिए प्रेरणादायक कदम बताया है।

जिला अस्पताल महुवा का भूमि पूजन 33/11 केवी जीएसएस का लोकार्पण समलेटी में आज

स्मार्ट हलचल

महुवा। महवा जिला चिकित्सालय महुवा का भूमि पूजन व 33/11 केवी जीएसएस का लोकार्पण रविवार को दोपहर 1:00 बजे कैबिनेट मंत्री डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा, विधायक राजेंद्र मीणा, सरपंच रचना मीणा,पंचायत समिति सदस्य सपना मीणा सहित अन्य अतिथियों द्वारा भाजपा कार्यकर्ता पंच पटेलो सहित आमजन की उपस्थिति में किया जाएगा।

विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि दिनांक 05 अप्रैल (रविवार) को दोपहर 01 बजे ग्राम समलेटी में आयोजित जिला अस्पताल महुवा का भूमि पूजन शिलान्यास, 33/11 केवी जीएसएस का लोकार्पण एवं 4 व 5 अप्रैल को सुड्डा दंगल कन्हैया दंगल ढांचा दंगल सांस्कृतिक कार्यक्रम में आप सभी अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना रहेंगे। उक्त कार्यक्रम में आप सभी महुवा विधानसभा क्षेत्र के पंच पटलो आमजन सहित गणमान्य नागरिकों भाजपा कार्यकर्ताओं पदाधिकारी को आमंत्रित किया गया है उक्त कार्यक्रम में सभी लोगों को पधारने का अनुरोध किया गया है।

महेंद्र चांदा को भाजपा का प्रदेश महामंत्री बनाया, संगठन में नए शक्ति संतुलन के संकेत

स्मार्ट हलचल

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए वरिष्ठ नेता महेंद्र चांदा को प्रदेश महामंत्री नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को केवल एक संगठनात्मक फैसला नहीं, बल्कि पार्टी के भीतर बदलते समीकरणों और रणनीतिक पुनर्संतुलन के रूप में भी देखा जा रहा है। महेंद्र चांदा लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहते हुए जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं। हालांकि, उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पार्टी प्रदेश में आंतरिक चुनौतियों और आगामी राजनीतिक समीकरणों को साधने की कवायद में जुटी हुई है। ऐसे में यह फैसला कई मायनों में अहम माना जा रहा है।

संगठन से जुड़े सूत्रों का मानना है कि यह नियुक्ति कार्यकर्ताओं को साधने, असंतोष को संतुलित करने और क्षेत्रीय समीकरणों को मजबूती

देने के उद्देश्य से की गई है। चांदा की छवि एक सक्रिय और सीधे संवाद रखने वाले नेता की रही है, जिससे पार्टी को जमीनी स्तर पर फायदा मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, राजनीतिक हलकों में इस फैसले को लेकर चर्चाओं का दौर भी तेज है। कई जानकार इसे आगामी चुनावी रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं, जबकि कुछ इसे संगठन में नए शक्ति केंद्र के उभरने के संकेत के तौर पर देख रहे हैं।

पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सार्वजनिक रूप से इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए इसे संगठन को मजबूती देने वाला कदम बताया है, लेकिन अंदरूनी स्तर पर इसके दूरगामी प्रभावों को लेकर नजरें टिकी हुई हैं।

'विश्वास पर खरा उतरना सबसे बड़ी चुनौती '

प्रदेश महामंत्री बनाए जाने पर महेंद्र चांदा ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी चुनौती भी है। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। चांदा ने कार्यकर्ताओं के सहयोग को अपनी ताकत बताते हुए कहा कि संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे निरंतर सक्रिय रहेंगे।

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ(वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथामः

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोऐट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खीः मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती हैप

रोकथामः

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथामः

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथामः

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक कांच एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवे। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुनः सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।

मैं कभी एक्टिंग में नहीं आना चाहते था, मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है

अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत-बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म को यूए-16 की रेटिंग के साथ रिलीज की अनुमति मिली है। फिल्म में बंगाली एक्टर जिशु सेनगुप्ता ने भी अहम किरदार निभाया है। अब उन्होंने फिल्म में अक्षय कुमार और डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करने को किसी सपने के सच होने जैसा बताया है। बातचीत में जिशु सेनगुप्ता ने कहा, डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ काम करना उनके लिए सपने का सच होने जैसा है, क्योंकि जब वे सीरियस फिल्म बनाते हैं, तब सेट पर गंभीरता का पैमाना अपने आप सेट हो जाता है और जब वे कॉमेडी फिल्म बनाते हैं तो सेट पर कॉमेडी के नए आयाम स्थापित हो जाते हैं। मेरी पहली मुलाकात इनसे सीसीएल में हुई थी, जब मैंने उनके साथ काम करने की इच्छा जाहिर की थी। हालांकि समय ज्यादा लग गया, लेकिन उनके साथ काम करना मेरे लिए गर्व की बात है। डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ सेट पर काम करने के अनुभव पर जिशु सेनगुप्ता ने कहा, 'पहले कुछ दिन अजीब लगता है, मैं नर्वस नहीं था, लेकिन समझ नहीं पा रहा था क्योंकि सेट पर एक के बाद दूसरा शॉट हो रहा था और नहीं पता कि सीन में कोई कमी तो नहीं है। मैंने पूछा तो पता चला कि सब कुछ परफेक्ट है। जब सब कुछ परफेक्ट होता तो डायरेक्टर कुछ नहीं बोलते और जब कमी होती तो वे सामने से आकर बोलते थे। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर सेट पर सबकी सुनते थे। अक्षय सर कुछ बताते तो वो तुरंत मान जाते थे।' 'भूत-बंगला' के लिए 'हां' करने के सवाल पर अभिनेता ने कहा कि भले ही फिल्म में बहुत सारे किरदार हैं, लेकिन हर किरदार का अपना अस्तित्व है और अलग कहानी है। मेरे लिए अच्छा किरदार बहुत मायने रखता है और यही कारण है कि मैंने फिल्म को करने के लिए 'हां' की।

फिल्मों में अपने करियर की शुरुआत को लेकर अभिनेता का कहना है कि वो कभी भी एक्टिंग में नहीं आना चाहते थे, क्योंकि उनके पिता थिएटर एक्टर थे। उन्होंने कहा, 'मेरी मां नहीं चाहती थी कि मैं फिल्मों में आऊं और न ही मैं आना चाहता था। मुझे म्यूजिक ज्यादा पसंद है और खुद का बैंड भी है, लेकिन किस्मत पता नहीं कैसे सिनेमा में ले आई।' अभिनेता ने खुलासा किया कि वे कभी अपनी खुद की फिल्में नहीं देखते हैं।

'भूल भुलैया 2' न सही तो 'भूत बंगला' से सपना सच हो गया'

बातचीत के दौरान वामिका ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी, 'भूल भुलैया 2' से जुड़ा एक पुराना किस्सा, अक्षय और प्रियदर्शन की आपसी समझ, सेट पर अनुशासन और भविष्य की योजनाओं पर खुलकर बात की। काफी वक्त से कॉमेडी फिल्म करना चाहती थी वामिका कहती हैं, 'मैं काफी समय से कह रही थी कि मुझे ऐसी फिल्म करनी है। मैं 'गरम मसाला', 'भूल भुलैया', 'हलचल' और 'भागम भाग' जैसी फिल्मों को देखकर बड़ी हुई हूं। हमेशा सोचती थी कि काश मैं भी ऐसी एक फिल्म का हिस्सा बनूं। जब पता चला कि प्रियदर्शन सर और अक्षय सर साथ में फिल्म कर रहे हैं तो मेरे लिए यही बात अपने आप में बहुत बड़ी थी।'

'भूल भुलैया 2' करते-करते रह गई थी

वामिका ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि वह पहले भी इस कॉमेडी स्पेस का हिस्सा बनने के करीब पहुंच चुकी थीं। उन्होंने कहा, 'जब 'भूल भुलैया 2' बन रही थी, तब मैंने भी उस फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था। मैंने ऑडिशन दिया था, फिल्म करने के काफी करीब भी पहुंच गई थी लेकिन किसी वजह से यह होते-होते रह गया। अब देखो, मैं 'भूत बंगला' कर रही हूं। जो सपना इतने साल का था, वो आखिरकार पूरा हुआ।'

कभी-कभी लगता था, सेट पर दो पुराने दोस्त खड़े हैं

सेट पर अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की आपसी समझ कैसी थी पूछा जाने पर वामिका ने कहा, 'इनको देखकर कभी-कभी मुझे लगता था कि दो पुराने दोस्त साथ खड़े हैं, जो एक-दूसरे के साथ मजाक कर रहे हैं। वहीं कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे गुरु और शिष्य के बीच कोई अनकही समझ चल रही हो। प्रियदर्शन सर कुछ कहते थे और अक्षय सर तुरंत समझ जाते थे। उनकी यह समझ सेट पर सामने देखना अपने आप में बहुत दिलचस्प था।'

अक्षय समय पर है तो आप देरी नहीं कर सकते अक्षय कुमार के अनुशासन पर बात करते हुए वामिका ने कहा, 'सेट पर समय से पहुंचने का दबाव तो होता था। जब आपको पता हो कि अक्षय सर सेट पर समय से आते हैं, अनुशासित हैं, तो आप आराम से या देर से नहीं पहुंच सकते। लेकिन वह दबाव नकारात्मक नहीं होता। वह आपको प्रोफेशनल बनाता है।'

अक्षय सर के साथ एक्शन फिल्म करूंगी

बातचीत के अंत में वामिका ने यह भी कहा कि 'भूत बंगला' के बाद अब उनकी इच्छा अक्षय कुमार के साथ एक्शन फिल्म करने की भी है। फिल्म 'भूत बंगला' को वामिका गब्बी अपने लिए यादगार मानती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे लिए ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। ये बहुत खास अनुभव था। जिस तरह की फिल्में मुझे पसंद हैं, उसी तरह की फिल्म में काम करना, प्रियदर्शन सर जैसे निर्देशक और अक्षय सर जैसे कलाकार के साथ काम करना यादगार रहा है।

प्रियदर्शन की 100वीं फिल्म में नजर आएंगे मोहनलाल

मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहनलाल और डायरेक्टर प्रियदर्शन एक बार फिर साथ आ रहे हैं। यह प्रियदर्शन के करियर की 100वीं फिल्म होगी। खास बात यह है कि मोहनलाल ने ही प्रियदर्शन की पहली फिल्म में लीड रोल निभाया था और अब वे उनकी 'सेंचुरी' वाली फिल्म का भी हिस्सा बनेंगे। यह फिल्म एक 'म्यूजिकल ड्रामा' होगी, जिसे आशीर्वाद सिनेमाज के बैनर तले बनाया जाएगा। हालांकि इस प्रोजेक्ट का नाम अभी तय नहीं हुआ है। मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखकर फिल्म पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, 'कुछ उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं होतीं। मेरे प्रिय मित्र प्रियन (प्रियदर्शन) अपनी 100वीं फिल्म की ओर कदम बढ़ा रहे हैं और मेरे पास शब्द नहीं हैं कि यह मेरे लिए क्या मायने रखता है। 100 फिल्में सिर्फ एक नंबर नहीं हैं, बल्कि कहानियों से भरा एक जीवन है। मैं इस सफर का हिस्सा बनकर खुद को सम्मानित महसूस कर रहा हूं।'

एंथोनी पेरुम्बावूर करेंगे प्रोड्यूस

इस फिल्म को मोहनलाल के करीबी और मशहूर प्रोड्यूसर एंथोनी पेरुम्बावूर प्रोड्यूस कर रहे हैं, जबकि बिनू जॉर्ज अलेक्जेंडर को-प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है,लेकिन मेकर्स ने साफ किया है कि यह प्रियदर्शन की सिग्नेचर कॉमेडी फिल्मों से अलग एक म्यूजिकल फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

भारतीय सिनेमा में बनेगा नया रिकॉर्ड

यह फिल्म भारतीय सिनेमा में एक नया रिकॉर्ड सेट कर सकती है। बहुत कम ऐसा देखा गया है कि जिस अभिनेता ने किसी डायरेक्टर की पहली फिल्म में काम किया हो, वही उसकी 100वीं फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाए। मोहनलाल और प्रियदर्शन की जोड़ी ने पिछले चार दशकों में 'बोइंग बोइंग', 'चित्रम', 'कालापानी' और 'ओप्पम' जैसी कई क्लासिक फिल्में दी हैं।

पुराने दोस्त हैं प्रियदर्शन और मोहनलाल

प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत 1980 के दशक में की थी। उन्होंने न केवल मलयालम बल्कि बॉलीवुड में भी 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'हंगामा' जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। मोहनलाल के साथ उनकी जोड़ी को मलयालम इंडस्ट्री की सबसे सफल जोड़ी माना जाता है। उनकी पिछली बड़ी फिल्म 'मरक्कर: लॉयन ऑफ द अरेबियन सी' थी, जिसने नेशनल अवॉर्ड जीता था।

धनुष के साथ काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं संयुक्ता

धनुष के साथ फिल्म 'वाथी' में अपने अभिनय से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री संयुक्ता इस साल कई फिल्मों में नजर आने वाली हैं। हालांकि, एक्ट्रेस ने फिर से धनुष के साथ काम करने की संभावनाओं के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने बताया कि क्यों धनुष के साथ वो काफी कंफर्टेबल महसूस करती हैं।

बातचीत में जब संयुक्ता से पूछा गया कि वह किस अभिनेता के साथ दोबारा काम करना चाहेंगी? इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन सभी मलयालम अभिनेताओं के साथ काम करना चाहूंगी, जिनके साथ मैंने काम किया है। साथ ही धनुष के साथ भी मैं दोबारा काम करना चाहूंगी। वह शानदार अभिनेता हैं। जब वो कोई स्क्रिप्ट चुनते हैं, तो आप समझ जाते हैं कि वो अच्छी कहानी है। 'वाथी' में धनुष के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि उनके साथ काम करना बहुत बढ़िया था। मेरा मतलब है मुझे यकीन है कि आपने इसे देखा होगा। उनके साथ एनर्जी लेवल अलग ही होता है। वो कम बोलने वाले, बेहद पढ़ने वाले व्यक्ति हैं। वो अपने काम में मग्न रहते हैं।

कैमरे के सामने उनका शांत स्वभाव, पर्दे पर उनकी ताकत को दिखाता है। ऐसा लगता है जैसे वो अपना सारा जोश कैमरे के सामने वाले उस एक पल के लिए बचाकर रखते हैं। जब निर्देशक एक्शन कहते हैं, तो वो अपना पूरा जोर लगा देते हैं। वेंकी अटुलुरी द्वारा निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा 'वाथी' 2023 में रिलीज हुई थी। यह उस साल की सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मों में से एक है।

मुझे स्टोरी और लोगों की भावनाएं उत्साहित करती हैं

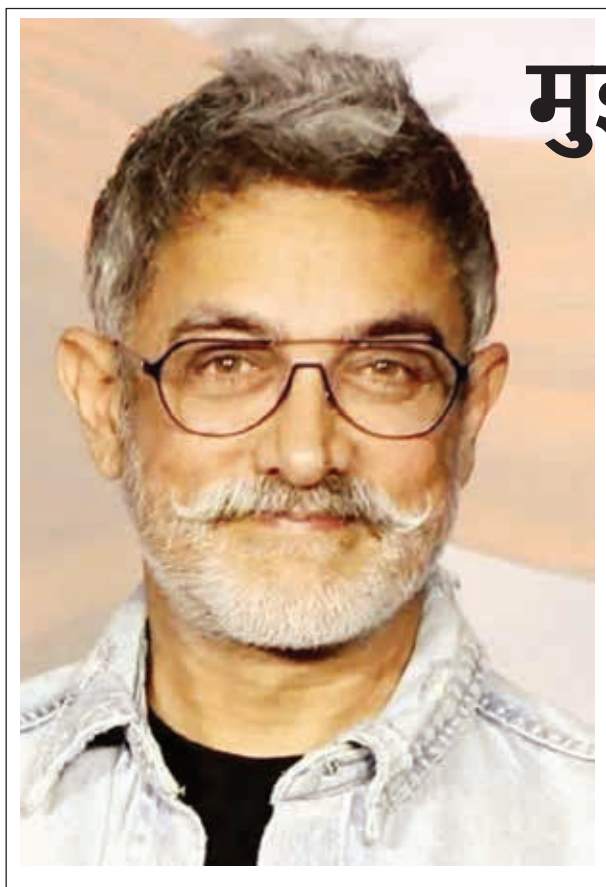

आमिर खान ने फिल्मों में ना सिर्फ अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया बल्कि जब उन्होंने बेहतरीन फिल्में बनाईं, तो कहा जाने लगा कि आमिर हर काम बड़े तरीके से करते हैं। यहीं से उन्हें मिस्टर परफेक्शनिस्ट का टैग भी मिला। लेकिन आमिर कहते हैं कि उनके लिए सफलता का पैमाना बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने कितने करोड़ कमाए, इससे तय नहीं होता। हाल ही में इंटरनैशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली) में आए आमिर खान ने कहा, 'मेरे लिए पैसों की अहमियत उतनी ही रही है, जितना मैं उसको इस्तेमाल कर सकता हूं। आमिर खान कहते हैं कि मुझे उत्साह पैसों से नहीं बल्कि कहीं और से मिलता है। वह कहते हैं, 'मेरे पिता फिल्ममेकर थे, तो अक्सर लोग सोचते हैं कि एक फिल्ममेकर का बेटा है तो पैसे वाले परिवार से है। लेकिन हमारे लिए वो समय आर्थिक तौर पर बहुत मुश्किल वक्त था। मेरे पिता फिल्ममेकर बहुत अच्छे थे, लेकिन वो बिजनेसमैन अच्छे नहीं थे। इसलिए ऐसा बिल्कुल भी नहीं है कि मैं पैसे वाली फैमिली से हूं तो मेरे लिए पैसों की वैल्यू नहीं है। मुझे स्टोरी उत्साहित करती हैं, मुझे लोगों को हंसाना, अपने काम से उनकी आंखों में खुशी के आंसू देखना, उनके दिल का छूना एक्साइट करता है।'

'मैंने शेड्यूल बनाकर बचपन नहीं जीया'

आजकल के बच्चे पढ़ाई, ट्यूशन, टेनिस क्लास, म्यूजिक क्लास में ही पूरा दिन निकाल देते हैं। उनका पूरा दिन का शेड्यूल पहले से ही पैक रहता है। आमिर कहते हैं, 'मेरा क्रिकेट या फुटबॉल क्लास का कोई शेड्यूल नहीं था। मैं क्रिकेट खेलता था, मैं फुटबॉल खेलता था, उनकी क्लास नहीं लेता था। मेरी मां ने भी कभी भी मेरे लिए ऐसा करने के लिए कोई शेड्यूल नहीं बनाया था। लेकिन आज ये शेड्यूल का हिस्सा बन गया है। हमें एक तो पहले से ही पढ़ाई से तकलीफ होती थी। स्कूल से एक बजे घर आते थे, मुझे टेनिस में रुचि थी, तो मैं टेनिस खेलता था, लेकिन जैसे ही मैं फ्री हो गया और मैं टेनिस के लिए नहीं गया हूं तो मैं बिल्डिंग के नीचे जाता था, और बोलता था स्वीटी, केवल, विकी, दरअसल मैं अपने दोस्तों का नाम लेता था, और वो भी मुझे मेरे नाम से बुलाते थे (हंसते हुए) उस समय शेड्यूल फॉलो नहीं करते थे, हम एक साथ जुटते थे और खेलने लग जाते थे।'

'नॉलेज ऑनलाइन मिल रही है तो उसे क्लास में क्यों पढ़ाएं'

आमिर को लगता है कि आज की शिक्षा प्रणाली को बदलने की जरूरत है। वह कहते हैं, 'मुझे सच में लगता है कि शिक्षा के क्षेत्र में सचमुच एक बदलाव की जरूरत है। जब आप घर बैठे ही जान सकते हैं कि कितने ग्रह हैं, हमारा सौरमंडल कैसा है, राजा शिवाजी के समय क्या हुआ था, उस समय लीडर कैसे थे, ये सब चीजें हमें स्कूल में पढ़ाई जाती है। मुझे नहीं पता कि आज ये जमाने में ये कितना उपयुक्त है। आज जो नॉलेज है वो मेरी उंगलियों पर है। मुझे जानना है कि किसी व्यक्ति का जन्म कब हुआ था, तो मैं वह तुरंत देख सकता हूं। मुझे अपने दिमाग में वो नॉलेज जमा ही क्यों करनी है, जब उसकी अभी जरूरत ही नहीं है। एक जमाने में जरूरत थी, तो स्कूल में नॉलेज मिलती थी। नॉलेज तो अब फ्री हो गई है, लेकिन उस नॉलेज का प्रयोग कैसे करना है, इसकी ट्रेनिंग हम नहीं दे रहे हैं। हम स्कूल में बच्चों को चीजों को समझना नहीं सिखा रहे हैं, कैसे लोगों का ध्यान रखें और कैसे अच्छा इंसान बने ये सिखाने की जरूरत है।

आज डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी

आमिर का कहना है कि आज के दौर में डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। वह कहते हैं, 'आजकल तो हर आदमी ज्यादातर समय फोन पर ही रहता है। हम डे ड्रीमिंग की कला को खोते जा रहे हैं। जब भी हम फ्री होते हैं, हमारा फोन हमारे हाथ में आ जाता है और हम अलग-अलग एप्स पर कुछ शॉर्ट्स देखने लगते हैं। वो बहुत मजेदार भी होते हैं लेकिन वो आपके दिमाग और समय को ऑब्जर्व कर रहे होते हैं। एक वक्त था जब फोन नहीं था, तो जब हम गाड़ी में बैठे होते थे और सिर्फ सोच रहे होते थे। बाहर जिंदगी को गुजरते हुए देख रहे होते थे। ये थी डे ड्रीमिंग। मुझे लगता है कि डे ड्रीमिंग बहुत जरूरी है। यह आपके दिमाग को कई चीजों को एक्सप्लोर करने और उन्हें गहराई से समझने का मौका देता है। आज हमारे पास खुद के बारे में या किसी भी चीज के बारे में सोचने का वक्त ही नहीं है। हमारे चारों तरफ बस डेटा घूम रहा है।'

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com